सुविचार
आपकी नाकामयाबी, आपको अपनी गलती सुधारने और वापस दो गुनी ताकत से सफ़लता हासिल करने को प्रेरित करती है।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 7, अंक-32 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 16 सितम्बर 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

अंतरराष्ट्रीय बुद्धरूप दान समारोह

दिनांक-17 सिंतबर 2022, दिन - शनिवार,
स्थान-रविद्र सभागम केंद्र, (नया ऑडिटोरियम) रविद्र भवन, पॉलिटेक्निक चौराहा,भोपाल मध्यप्रदेश
श्रद्धेय उपासक/उपासिकाओ से विषेश आग्रह है की भोपाल शहर में पहली बार हो रहे भव्य धम्मदान का महा समागमन अंतरराष्ट्रीय बुद्धरूप दान समारोह कि तैयारीया, व्यवस्थाएं और कार्यक्रम की जिम्मेदारीओ को प्रत्यायोजित करना और कार्यक्रम को सुव्यवस्थित सफल बनाने के लिए बुद्धभूमि महाविहार उपासक/उपासिका संघ , भोपाल शहर के सभी सम्मानिय बुद्ध विहार के अध्यक्ष/सचिव और विभिन्न सामाजिक संघटनो के साथ आज बैठक का आयोजन किया गया है।

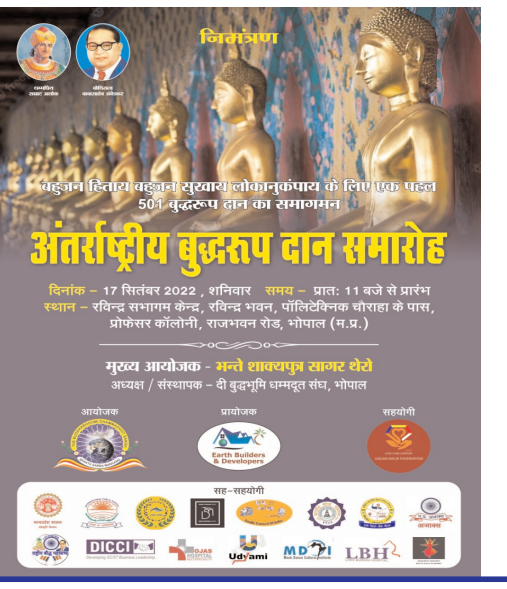

नौकर बनाने के लिए लड़के-लड़कियों की खरीद-बिक्री, कितना गंभीर अपराध है, कितनी सजा होगी - ASK IPC

हाल ही में दिल्ली के पॉश इलाके में रहने वाले डॉक्टर के घर से एक लड़के को मुक्त कराया गया। डॉक्टर इस लड़के को बिहार से खरीद कर लाया था। डॉक्टर लड़के

का यौन शोषण नहीं करता था परंतु नौकर बना दिया था और घर के सारे काम करवाता था। घर से हॉस्पिटल जाते समय लड़के को घर के अंदर ताले में कैद करके जाता था। इस तरह की कहानियां अक्सर सुनने को मिल जाती है। नर्स की पढ़ाई और नौकरी के नाम पर हाय दिन लड़कियों को एकमुश्त रकम लेकर बेच दिया जाता है। उनको प्रताड़ित नहीं किया जाता परंतु उनकी स्वतंत्रता समाप्त कर दी जाती है। आइए जानते हैं ऐसे मामलों में भारतीय दंड संहिता की किस धारा के तहत दंड का प्रावधान किया गया है।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 371 की परिभाषा-

जो कोई व्यक्ति पैसों के लालच में किसी व्यक्ति का दासों के रूप में क्रय-विक्रय करेगा या बार- बार दासो (बंदी) का लेन-देन करेगा। ऐसा करने वाले व्यक्ति धारा 371 के अंतर्गत दोषी होंगे।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 371 के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान-

इस धारा के अपराध किसी भी प्रकार से समझौता योग्य नहीं होते हैं, यह अपराध संज्ञेय अपराध एवं अजमानतीय अपराध होते हैं। इनकी सुनवाई का अधिकार सेशन न्यायालय को होता है।

सजा- आजीवन कारावास से 10 वर्ष की हो सकती है, और साथ में जुर्माना भी

?? लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला समाजिक कार्यकर्ता एवं ब्यूरो चीफ युवा प्रदेश अलीगढ़ उत्तर प्रदेश)

आजादी की 75 वीं वर्षगांठ पर अमृत महोत्सव के उपलक्ष में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार

नर्मदापुरम। शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में आजादी की 75 वीं वर्षगांठ पर अमृत महोत्सव के उपलक्ष में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय स्वतंत्रता का संघर्ष और उसका देशव्यापी स्वरूप थी विद्यार्थियों ने इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया भाषण प्रतियोगिता

में प्रथम स्थान ओम प्रकाश परिहार द्वितीय स्थान पर आकाश कटारे तृतीय स्थान पर मयंक वाधवानी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर ओ एन चौबे ने ने कहा कि इस प्रतियोगिता को कराने का आशय आज की युवा पीढ़ी के मन में देश प्रेम राष्ट्रीयता बा शहीदों के प्रति देशभक्ति की भावना को जागृत करना है प्रतियोगिता संयोजक डॉ एस के दिवाकर ने कहा कि अनेक शहादत के बाद यह स्वतंत्रता प्राप्त हुई है इसे हमें बनाए रखना है हमारी युवा पीढ़ी का कर्तव्य है और उन्हें इन शहीदों के बारे में जानकारी होनी चाहिए तभी वह इस आजादी के महत्व को समझ पाएंगे इस अवसर पर निर्णायक के रूप में डॉक्टर बी एल राय डॉ एसके उदयपुर डॉक्टर के जी मिश्रा डॉक्टर कमल चौबे उपस्थित रहे अमृत महोत्सव के संयोजक डॉक्टर इरा वर्मा एवं सदस्य डॉक्टर कुमुदिनी भार्गव राजीव द्विवेदी प्रियंका राय रेणुका ठाकुर अंजली भट्ट आरती सिंह आरती रावत और अधिक संख्या में प्राध्यापक गण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

यदि पुलिस किसी को पकड़ ले और कोर्ट में पेश ना करे, तब क्या कार्रवाई कर सकते हैं - THE CONSTITUTION OF INDIA

सभी जानते हैं कि किसी भी गंभीर अपराध के आरोप में पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करती है और 24 घंटे के भीतर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करती है, लेकिन कभी-कभी ऐसा भी होता है कि पुलिस किसी को पकड़ कर ले जाती है और कोर्ट में पेश नहीं करती। ऐसी स्थिति में पीड़ित पक्ष क्या कार्रवाई कर सकता है, पढ़िए-

बन्दी-प्रत्यक्षीकरण रिट-

बंदी प्रत्यक्षीकरण का अर्थ होता है निरूद्ध या गिरफ्तार व्यक्ति को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करवाना। जब किसी व्यक्ति को अवैध रूप से गिरफ्तार किया जाता है तब ऐसे व्यक्ति की स्वतंत्रता इसी रिट के माध्यम से सुरक्षित की जाती है। यह रिट किसी भी पुलिस अधिकारी, जेल अधिकारी या कोई भी प्राइवेट व्यक्ति के लिए निकली जा सकती है जिसने व्यक्ति को बन्दी बनाकर रखा हुआ है। अगर कोई व्यक्ति या अधिकारी इस रिट की आज्ञा का उल्लंघन करता है तो न्यायालय की अवमानना का दण्ड दिया जाएगा।

न्यायालय इस रिट के द्वारा-

1. गिरफ्तार करने वाले व्यक्ति से गिरफ्तारी का कारण पूछेगा।
2. गिरफ्तार व्यक्ति को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने का आदेश देगा।

उपर्युक्त विषय पर ही बन्दी प्रत्यक्षीकरण पर रिट याचिका जनहित वाद में प्रस्तुत की जा सकती हैं।

कानूनी जानकारी लेखिका-
रागिनी सिंह इंदौर मो.8349039543

कलेक्टर के निर्देश, एसडीएम और नगर निगम के अधिकारी स्कूलों की जांच करेंगे

भोपाल। बिलाबॉन्ग स्कूल की घटना के बाद प्रशासन भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर हो गया है। कलेक्टर अविनाश लवानिया ने निजी विद्यालय की व्यवस्थाओं को सुधारने और शासन की गाइड लाइन का पालन करने के लिए अधिकारियों की टीम बनाकर जांच करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन के नेतृत्व में गठित दल अलग-अलग बिंदुओं पर सभी स्कूलों की जांच करेगा और अव्यवस्था मिलने पर कार्रवाई करेगा। वहीं, गुरुवार को पुलिस और परिवहन विभाग ने अलग-अलग इलाकों में स्कूल बसों को रोकर उनकी जांच की। इसमें ड्राइवर के वेरिफिकेशन से लेकर अग्नि सुरक्षा यंत्रों की जांच की। कलेक्टर लवानिया ने सभी एसडीएम के नेतृत्व में उनके क्षेत्रों के स्कूलों की जांच करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा आरटीओ और

डीएसपी ट्रैफिक, बसों की फिटनेस के साथ गाइड लाइन का पालन करने के लिए जांच अभियान चलाएगा। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए है कि सभी निजी स्कूलों में शासन द्वारा जारी गाइड लाइन का पालन कराया जाए और बच्चों और बच्चियों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। सभी स्कूल बसों में जिनमें बच्चियां आती जाती है उनमें महिला स्टाफ जरूरी है। इसके साथ ही रिकार्डिंग, कैमरे भी अनिवार्य है। उन्होंने लगातार सभी बसों की जांच के लिए अलग-अलग उड़न दस्ते बनाए जाने के निर्देश दिए है। कलेक्टर लवानिया ने आरटीओ को सभी स्कूल बसों की फिटनेस और अन्य जांच करने के भी निर्देश दिए है। स्कूलों में लड़कियों और लड़कों के लिए अलग टॉयलेट हो इसकी भी जांच कराई जाए।

आवश्यकता
युवा प्रदेश नेटवर्क
मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।
युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

स्पीक मैके संस्था के सौजन्य से नृत्य भरतनाट्यम का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवर नर्मदापुरम। गुरुवार को शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय नर्मदा पुरम में प्राचार्य डॉ कामिनी जैन के मार्गदर्शन में स्पीक मैके संस्था के सौजन्य से नृत्य भरतनाट्यम का आयोजन किया गया द्य मां सरस्वती के समक्ष पूजन, अर्चन एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया तत्पश्चात पद्मश्री श्रीमती गीता चंद्रन को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत कर सम्मानित किया गया द्य प्राचार्य डॉ कामिनी जैन ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगीत एवं नृत्य हमारे जीवन को तनाव मुक्त करते हैं एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं संगीत नृत्य की निपुणता के लिए लंबी एवं कठोर साधना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भविष्य में स्पीक मैके के सहयोग से छह दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया जाने का भरसक प्रयास किया जाएगा । पद्मश्री श्रीमती गीता चंद्रन ने बताया कि भरतनाट्यम भारतीय नृत्यों में एक सबसे प्राचीन एवं प्रसिद्ध नृत्य है । यह शास्त्रीय नृत्य दक्षिण भारत के तमिलनाडु राज्य में उत्पन्न हुआ । इसका उद्देश्य मनुष्य को पवित्रता, सदाचार एवं सौंदर्य बोधक मूल्यों का महत्व समझाना है । उन्होंने भारत शब्द की व्याख्या करते हुए भाव, राग एवं ताल को समझाया एवं नृत्य की बारीकियों की ओर ध्यान आकर्षित किया एवं पुष्पांजलि, वंदे मातरम, मीरा भजन में मीरा के समर्पित भाव को दर्शाते हुए अभिनय नृत्य द्वारा कृष्ण लीला का मंचन कर प्रस्तुतियां दी तथा ताल एवं पताक हस्ता मुद्राएं सिखाई ।सह नृत्यांगना सौम्या लक्ष्मी के द्वारा सीखने की शैली के अंतर्गत भूमि प्रणाम, तीन नमस्कार, खड़े होने की स्थिति, बोल के माध्यम से छोटे-छोटे बिट्स के द्वारा भरतनाट्यम के विभिन्न पक्षों की प्रस्तुति दी । स्पीक मैके संस्था का उद्देश्य बताते हुए कार्यक्रम के समन्वयक श्री सुनील बाजपेई जी ने बताया कि सन 1977 से यह संस्था नृत्य, संगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से कलाकारों को प्रोत्साहित एवं प्रसिद्धि प्रदान करने का कार्य कर रही है। श्री सुनील बाजपई जी की किताब ÷मंच संचालन एक कला÷ का विमोचन प्राचार्य डॉ कामिनी जैन एवं पद्मश्री श्रीमती गीता चंद्रन द्वारा किया गया । पद्म श्री श्रीमती गीता चंद्रन के कार्यक्रम के सहयोगी कलाकार के रूप में श्री राम मूर्ति केशवन, श्री राग, श्री मनोहर बालचंद्रन एवं श्री वी एस के अन्नादुरई ने अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की । कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ श्रुति गोखले एवं आभार डॉ संगीता अहिरवार द्वारा किया गया । कार्यक्रम में महाविद्यालय स्टाफ एवं भारी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही ।

उच्च शिक्षा विभाग की नेक सेल टीम द्वारा महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय नर्मदापुरम में बुधवार को महाविद्यालय में नेक के निरीक्षण के पूर्व की आवष्यक तैयारियों का अवलोकन करने एवं मार्गदर्षन प्रदान करने हेतु उच्च षिक्षा विभाग की नेक सेल की सदस्य टीम डॉ. उषा नायर विषेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, डॉ. मनीषा शर्मा मास्टर फेसिलेटर एवं डॉ. मीनाक्षी द्वारा महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण टीम का स्वागत एनसीसी की केडेट्स द्वारा गॉड ऑफ ऑनर, एनएसएस स्वयंसेविकाओं द्वारा तिलक एवं बेच लगाकर किया गया। टीम के महाविद्यालय में आगमन के पश्चात् उच्च षिक्षा विभाग से पधारे सदस्य एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन एवं आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी डॉ. रष्मि श्रीवास्तव मॉ. सरस्वती का पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर निरीक्षण कार्य का शुभारंभ किया गया। आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी डॉ. रष्मि श्रीवास्तव ने बताया कि प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने पीपीटी के माध्यम से विगत पॉच वर्षो में दी जाने वाली गुणवत्ता पूर्ण षिक्षा को बढाने के लिए, महाविद्यालय में संचालित विभिन्न गतिविधियों को शुरू करने, योजना बनाने और पर्यवेक्षण कैसे किया जाना है इसकी विस्तृत जानकारी टीम के साथ साझा की।

आई.क्यू.ए.सी. द्वारा पीपीटी के माध्यम से महाविद्यालय में गुणवत्ता सुधार हेतु किये गये प्रयत्न, नवाचार, नवीनतम तकनीक और शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक गतिविधियों को स्तर प्रदान करने हेतु किये कार्यो से संबंधित दस्तावेजों को प्रस्तुत किया गया। निरीक्षण टीम द्वारा नेक के सभी 7 मापदंडो के प्रलेखन, विभागीय गतिविधियों, एनसीसी, एनएसएस, कार्यालय दस्तावेज एवं कार्यप्रणालियों का अवलोकन कर शैक्षणिक, कार्यालयीन स्टॉफ का मार्गदर्षन करते हुए बैइक आयोजित की जिसमें आगामी दिवसो में आने वाली नेक से संबंधित मापदंडों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए मार्गदर्षन किया। टीम के साथ आई.क्यू.ए.सी सदस्य डॉ. श्रीकांत दुबे, डॉ. अरूण सिकरवार, डॉ. जी.सी. पांडे, डॉ. आषीष सिंह उपस्थित रहे।

वार्ड का सम्पूर्ण विकाश हो इसके लिऐ वार्ड क्रमांक 9 से उर्मिला पाण्डेय उतरी चुनावी मैदान में

अनूपपुर। राजनीतिक लोग चुनाव से पूर्व अक्सर विकाश कि धारा बहाने वाली तरह-तरह के लोक-लुभावन भरी बातें कर चुनाव जीत लेतें हैं, और चुनाव जीतने के बाद यही अधिकांश लोग ऐसे होते हैं जो जनहित कार्यों के अपेक्षा स्वयंहित के कार्यों में अपना पूरा समय व्यतीत कर देते हैं। ऐसे में आम जनता के पास उस पूरे समयकाल में स्वयं को ठगा सा महसूस कर पछतावा के अतिरिक्त अन्य कोई विकल्प नही रह जाता है। इस बार भी लोगों को ऐसी तकलीफों का सामना ना करना पड़े, जिसके लिऐ नवागत नगर पंचायत बरगवां-अमलाई के वार्ड क्रमांक 09 से स्वयं ही महिला प्रत्यासी उर्मिला पाण्डेय ने अपना नामांकन दाखिल कर चुनावी मैदान में कूद पड़ी हैं। ताकि वह अपने वार्ड का बेहतर विकाश कर सकें। गौरतलब है कि उर्मिला पाण्डेय गृहणी एवं सामाजिक महिला होने के साथ-साथ स्वच्छ छवि कि महिला हैं। जिन्होने वार्ड क्रमांक 09 के लिऐ बेहतर से बेहतर कार्य करने का सपना अपनी आंखों में संजोकर रखा हैं। वार्ड क्रमांक 09 विकाश के नाम पर किसी भी तरह से अछूता ना रह जाऐ, इसकी चिन्ता उन्हे सदैव खटकता रहता है। जिसके लिऐ इन्होने किसी और पर भरोसा करने के अपेक्षा स्वयं ही चुनावी मैदान में उतरकर वार्ड क्रमांक 09 के लिऐ बेहतर कार्य करने का निर्णय लिया है। वहीं इनका पुत्र ज्ञानेन्द्र पाण्डेय जिले के पत्रिकारिता में सक्रिय होकर सदैव ही जन समस्याओं पर लोगों कि आवाज बनकर शासन-प्रशासन तक उनकी बातें कलम के माध्यम से पहुंचाते रहते हैं। जिस कारण से इन्हे हर आयु वर्ग के लोगों का जबरदस्त समर्थन भी मिल रहा है। स्थानीय लोगों कि मानें तो उर्मिला पाण्डेय बेहद ही नरम दिल कि शांत स्वभाव महिला हैं। अक्सर यह और इनका पुत्र लोगों कि मदद के लिऐ तत्पर रहते हैं। इसलिऐ इन्होने वार्ड कर्मांक 09 से नामांकन दाखिल किया है, तो हमारे लिऐ बेहद खुशी की बात है।

जमीनी हकीकत जानने वार्डों में पहुंचे परिषद के अध्यक्ष

विकास कार्य कराए जाने को लेकर वार्ड पार्षद सहित स्थानीय लोगों से की चर्चा

अनूपपुर /राजनगर। जिले की नवगठित नगर परिषद डूमर कछार के निर्विरोध नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील कुमार चौरसिया ने 8 सितंबर 2022 को वार्ड के कुछ पार्षदों के साथ वार्ड की वर्तमान स्थिति की नब्ज टटोलने के लिए भ्रमण करते हुए वार्डों में कराए जाने वाले विकास कार्यों को लेकर वार्ड पार्षद तथा स्थानीय लोगों से बातचीत की और जनता की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर कराए जाने वाले कार्यों को लेकर रणनीति तैयार की । मौके पर नगर परिषद के अधिकारी और कर्मचारी की टीम साथ में मौजूद रही जिन्हें नगर परिषद अध्यक्ष श्री चौरसिया ने वार्ड के अंदर तमाम समस्याओं को संकलन करते हुए उनके निराकरण हेतु निर्देशित किया। श्री चौरसिया ने वार्ड क्रमांक एक में राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले आदिवासी बैगा समाज के लोगों के बीच पहुंचकर उनके दुख दर्द को समझा और उनकी समस्याओं को समाधान करने का भरोसा दिया उन्होंने भ्रमण के दौरान वार्ड क्रमांक 1 स्थित प्राथमिक विद्यालय की स्थिति का जायजा लिया और वहां पर उपस्थित शिक्षकों से बैगा और पाव जनजाति के बच्चों को प्राथमिकता के आधार पर विद्यालय में

उपस्थिति दर्ज कराने और उनकी शिक्षा दीक्षा को लेकर मार्गदर्शन दिया इसके साथ ही बैगा जनजाति बाहुल्य इस वार्ड में निवास करने वाले बैगा जनजाति के उत्थान के लिए सड़क, बिजली, पानी तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में रूपरेखा तैयार की देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना का भी उन्होंने अवलोकन किया और चल रहे आवास निर्माण कार्य को लेकर बैगा जनजाति के हितग्राहियों से बातचीत की,आवास को बनाने में आ रही कठिनाइयों को दूर करने का भरोसा दिया। ग्राम पंचायत से नगर परिषद का दर्जा प्राप्त करने वाली डूमर कछार के तमाम वार्ड के विकास के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किए जाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उन्होंने वार्ड का अवलोकन बड़े ही बारीकी के साथ किया और स्थानीय लोगों तथा पार्षदों से बातचीत करते हुए जनहित के सभी कार्य कराए जाने की बात कही । श्री चौरसिया ने बताया की वार्ड क्रमांक एक में नगर परिषद की भूमि राजस्व रिकार्ड के मुताबिक सबसे अधिक है भूमि का सीमांकन शीघ्र राजस्व विभाग के अधिकारियों के माध्यम से कराया जाएगा भूमि का सीमांकन होने के साथ ही यहां पर तमाम निर्माण कार्य और विकास कार्य तेज गति से हो सकेंगे। जिले के अंतिम छोर की नगर परिषद डूमरकछार को जिले के अग्रिम पंक्ति में खड़ा करना हमारा मकसद होगा जिससे कि इस नयी परिषद को एक नई पहचान राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मिल सके।

अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी के सम्मान की मांग उठा रही अनुसूचित जाति मध्यप्रदेश

भोपाल। दिनांक 9 सिंतबर 2022 को भोपाल में आयोजित के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री कमलनाथ जी के मुख्य अतिथि एवं माननीय श्री प्रदीप अहिरवार जी प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग भोपाल की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर माननीय श्री पी सी शर्मा जी पूर्व मंत्री, माननीय श्री कमलेश्वर पटैल पूर्व मंत्री सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं अनुसूचित जाति के प्रदेश भर के हजारों सम्मानित नेता और प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश के एकमात्र अनुसूचित जाति के वीर शहीद मनीराम अहिरवार जी को कांग्रेस के वचन पत्र 2023 में नाम शामिल करने हेतु मांग कर ज्ञापन दिया है। कांग्रेस का प्रदेश में जनाधार मजबूती के लिए वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय शहीद का दर्जा एवं उनके परिजन का सम्मान करना ज्ञापन की प्रमुख मांग है।

तिरोडा मे राष्ट्रीय ओबीसी बहुजन महासंघ की पूर्व सांसद खुशाल बोपचे के अध्यक्षता सभा संपन्न

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल मोबाइल 8878054839
संजीव भांबोरे(आल इंडिया प्रेस प्रतिनिधि)

गोंदिया। राष्ट्रीय ओबीसी बहुजन महासंघ की सभा 14 सप्टेंबर 2022 को दुपहर 2 बजे पूर्व सांसद खुशालजी बोपचे तथा राष्ट्रीय ओबीसी बहुजन महासंघ के संस्थापक अध्यक्ष इनके अध्यक्षता मे गोंदिया जिले के तिरोडा साई कालोनी मंजुषा ग्राफीस के ठिकाण मे संपन्न हुई .इस बैठक मे गणेशभाऊ पारधी राष्ट्रीय महासचिव ओबीसी बहुजन महासंघ वनिताताई ठाकरे प्रदेश महिला महासचिव, प्रमिलाताई रहांगडाले प्रदेश महिला उपाध्यक्ष उपस्थित थे. इस बैठक मे कुछ पदाधिकारीओंका चयन किया गया . और नियुक्तीपत्र दिये गये . विदर्भ युवा अध्यक्ष पद पर मनोहर शिंदे, तिरोडा तालुकाध्यक्ष पद पर विशाल जांभुळकर, तिरोडा तालुका महासचिव पद पर पोलेश्वर भगत की नियुक्ती गयी. इस समय भुनेश्वर कटरे कार्यालयीन सचिव राष्ट्रीय ओबीसी बहुजन महासंघ ,उषाताई ठाकरे ,प्रकाश गेडाम, पोलेश्वर भगत ,असगर सय्यद, समनोहर शेंडे ,संजय जांभुळकर ,पोमेश्वर रोहांगडाले ,विशाल जांभुळकर ,रोहित सर, देवेंद्र दमाये ,विजय दमाये ,विजय बघिले ,पंकज पारधी, जितेंद्र पारधी प्रशांत भाऊ गायधने ,विजय रहांगडाले ,समीर पटले ,सोमेश बघेले उपस्थित थे।

ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्सकर्मियों ने घेरी विधानसभा, पुलिस छावनी में तब्दील चिनार पार्क

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल मोबाइल 8878054839

भोपाल में आउटसोर्स का हुजूम, 5 हजार गिरफ्तार, दसियों हजार खदेडे गए

भोपाल। सुबह पांच बजे से ही भोपाल के चुनाव पार्क में प्रदेश के आउटसोर्स कर्मियों का आना शुरू हो गया था, जिन्हें चिनार पार्क पर तैनात पुलिस खदेडती रही, इसके बाद भी हजारों आउटसोर्स कर्मी 10 बजे तक चिनार पार्क के अंदर पहुंचे और सभा शुरू कर दी, आउटसोर्स कर्मियों के कार्यक्रम 1 बजे चार पूर्व मंत्रियों पी सी शर्मा, तरूण भानोट, बाला बच्चन, मुकेश नायक को आना था, आउटसोर्स कर्मियों की बढ़ती संख्या को देखकर पुलिस ने 11 बजे गिरफ्तार करना शुरू कर दिया। ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स, ठेका, अस्थाई कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के संयोजक वासुदेव शर्मा को जैसे ही गिरफ्तार किया, उसके बाद गिरफ्तारी देने वालों का हुजूम उमड पडा। आउटसोर्स संयुक्त मोर्चा की कोर कमेटी के सभी सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया,

जिनमें एमपीईबी के राहुल मालवीय, बल्लव भवन मंत्रालयों के दीपक सिंह, प्रकाश पुंज चौधरी, आशीष सिसोदिया, अखिलेश श्रीवास्तव, व्यावसायिक प्रशिक्षकों के नेता प्रकाश यादव, स्वास्थ विभाग के शरद पंत, कंप्यूटर संघ के पंकज चतुर्वेदी, वेयर हाउस कार्पोरेशन के राम स्वरूप प्रजापति, मनीष शर्मा, निकाले गए कर्मियों के नेताओं को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए आउटसोर्स कर्मियों को भोपाल से 25-30 किलोमीटर दूर छोडा गया, जिससे वे वापस आकर प्रदर्शन न कर सकें। विधायक कुनाल चौधरी ने सुबह ही आउटसोर्सकर्मियों के बीच पहुंचकर उनके आंदोलन को समर्थन दिया और विधानसभा में आउटसोर्स का मुद्दा उठाने की बात कही। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए वासुदेव शर्मा ने कहा कि टुकडों में बिखरा आउटसोर्सकर्मी पहली बार एक साथ आया है और एक साथ आने की ताकत का अंदाजा सरकार को लग गया, इसलिए वह आउटसोर्स कर्मियों को गिरफ्तार कर रही है, प्रदेश में 5 लाख आउटसोर्स कर्मी है, 10-15 साल से इनके साथ अन्याय सिर्फ इसलिए हो रहा है कि यह एकजुट नहीं थे, विधानसभा घेराव में एकता दिखी है, इसे और मजबूत करना हर कर्मचारी की जिम्मेदारी है, जिस दिन सभी आउटसोर्स कर्मचारी ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के नीचे आकर हुंकार भरेंगे, उस दिन प्रदेश से आउटसोर्स, ठेका प्रथा का अंत हो जाएगा, हमें आज संकल्प लेना होगा कि अगले 5-6 महीने में ऐसा आंदोलन विकसित करें कि सरकार आउटसोर्सकर्मियों का विभागों में संविलियन करने को मजबूर हो जाए।

सांडिया बिजली विभाग अधिकारियों की मनमानी के चलते 15 दिनों से ग्राम झालौन के ग्रामीण बिजली को तरसे

गांव के लोगों को अंधकार में रहना मुश्किल

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार
भोपाल मोबाइल 8878054839

सांडिया। पिपरिया। प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान के वादे को दरकिनार करते हुए बिजली कंपनी अपनी मनमानी करने पर उतारू है ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली नहीं मिलने से ग्रामीण परेशान हैं तो वहीं फसलों की हालत भी दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है कुछ दिनों बारिश हुई तो किसानों के चेहरे पर रौनक लौट आई थी मगर अब बारिश नहीं होने से और समय पर बिजली नहीं मिलने से ग्रामीण परेशान है ऐसा ही एक उदाहरण ग्राम झालौन में देखने को मिला यहां डीपी रखे 15 दिन हो गए हैं अभी तक सांडिया के बिजली विभाग अधिकारियों से अभी तक डीपी नहीं रखा ही है इस संबंध में उनको फोन लगाओ तो फोन नहीं उठाते एवं मैं पत्रकार होने के बाद भी मेरी बात नहीं मान रहे आम इंसान को किस प्रकार से परेशान करते होंगे बिजली विभाग के अधिकारी यह आप को दिख रहा होगा ग्राम पंचायत झालौन के गरीब मोहल्ले की डीपी जो कि 2 साल से नहीं मिल रही थी विधायक जी के प्रयास से डीपी तो मिल गई है लेकिन उसका लाभ अभी तक नहीं मिल रहा 15 दिन हो गए हैं 15 दिन के बाद भी अभी तक सांडिया बिजली ऑफिस के अधिकारियों उसके द्वारा डीपी नहीं रखा किस प्रकार से बिजली विभाग के अधिकारियों की लापरवाही साफ देखी जा रही है बिजली विभाग में पदस्थ लाइनमैन साहू के द्वारा बोला गया था कि 2 या 3 दिन में आपकी डीपी लगा दी जाएगी पर फोन लगाने पर साहू जी फोन भी नहीं उठा रहे है न ही फोन पर बात कर रहे जो सांडिया में बिजली विभाग के अधिकारी हैं उनको भी फोन लगा रहे हैं वह भी यह बोलते कल करवा रहा हूं परसों करवा रहा हूं लेकिन काम नहीं करवा रहे हैं एक पत्रकार से निवेदन पर ये हालत है तो आम इंसान की क्या हालत होगी होगी यह तो आप भी को भी जानकारी होगी ऐसे बिजली विभाग अधिकारियों के ऊपर प्रशासन कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा कब तक आम इंसान की ये हालत होती रहेगी एक पत्रकार की सुनवाई नहीं हो रही तो यह आम आदमी की क्या सुनवाई करते होंगे।

परिसंघ के प्रदेश सचिव दशरथ चौधरी की उपस्थिति में सामाजिक बैठक सम्पन्न

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल मोबाइल 8878054839

सागर (मध्यप्रदेश) बीना। आज दिनांक 13 सितंबर 2022 को अनुसूचित जाति जनजाति संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ प्रदेश सचिव वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता दशरथ कुमार अहिरवार के नेतृत्व में ग्राम घाट बरोदिया एवं ग्राम हासुआ मैं सामाजिक बैठक आयोजित की गई उन लोगों की समस्याओं को सुना एवं शाम 4ः00 बजे बीना नगर मडिया बाड मैं जितेंद्र अहिरवार की पुत्र देवराज अहिरवार 14 वर्ष मोतीचूर नदी में डूबने से अश्मित निधन होने पर शोक सभा श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल होकर दुखित परिवार को इस दुख की घड़ी में दुख सहन करने की ईश्वर से प्रार्थना की गई एवं दिवंगत आत्मा को ईश्वर अपने आसींद चरणों में स्थान देने की और सुख शांति प्रदान कर ने कि ईश्वर से प्रार्थना की परिवार को संवेदना प्रकट कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की इस मौके पर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता दशरथ कुमार अहिरवार बीना सुकलाल अहिरवार घाट बरोदिया भैया लाल अहिरवार ढांड बंटी अहिरवार अभिराज नौगांव रोहित अहिरवार गोपाल अहिरवार हेमराज अहिरवार जितेंद्र अहिरवार प्रकाश अहिरवार गोवर्धन अहिरवार रघुवर वीर सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय ध्रुवतारा अपंग क्रांतिकारी संघटन हिमाचल प्रदेश अध्यक्ष पद पर चंद्रकांत वाघ की नियुक्ती

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल मोबाइल 8878054839
संजीव भांबोरे

हिमाचल(न्यू शिमला)(ऑल इंडिया प्रतिनिधी) अखिल भारतीय ध्रुवतारा अपंग क्रांतिकारी संघटन के अध्यक्ष पद पर हिमाचल प्रदेश न्यू सिमला सायबु निवास फेस 3 बीसीएस निवासी समाजसेवक पत्रकार और भारतीय मीडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय सचिव चंद्रकांत गंगाराम वाघ की नियुक्ती हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष पद पर अखिल भारतीय ध्रुवतारा अपंग क्रांतिकारी संघटन के संस्थापक सचिव श्रीकृष्ण देशभ्रतार के आदेश पर अखिल भारतीय ध्रुवतारा अपंग क्रांतीकारी संघटन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव भांबोरे ने लिखित पत्र द्वारा की गई है. चंद्रकांत वाघ अपंग ,दिव्यांग ,मतिमंद ,मूकबधर कर्णबधिर , बेसहारा लोगो को संघटन मे जोडकर उनकी आवाज शासन स्तर बुलंद करने का काम करेंगे ।

राज्य स्तरीय अनुसूचित जाति सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कमलनाथ जी बोले अनुसूचित जाति के लोग कांग्रेस की सरकार बनायेंगे

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल मोबाइल 8878054839

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के तत्वाधान में पूर्व मुख्यमंत्री एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष माननीय कमलनाथ जी एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव तथा मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं अखिल भारतीय खटीक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय सज्जन सिंह वर्मा जी वाह प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जाति विभाग श्री प्रदीप अहिरवार तथा तमाम पूर्व मंत्रियों की उपस्थिति वर्तमान विधायकों की उपस्थिति पूर्व विधायकों की उपस्थिति मैं अनुसूचित जाति विभाग द्वारा आयोजित विशाल जनसभा को माननीय कमलनाथ जी ने संबोधित किया कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप परमार जी ने की मंच संचालन मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के कार्यालय प्रभारी धर्मेंद्र खटीक द्वारा की गई इस विशाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय कमलनाथ जी ने प्रदेश की जनता को आगाह कराया है कि जिस प्रकार से अनुसूचित जाति वर्ग के ऊपर अत्याचार बढ़ रहे हैं उनकी रोकथाम के लिए इस संगठन को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी और प्रदेश के कोने-कोने में निवासरत दलित भाइयों का बहनों माताओं का सुरक्षा कवच बुड्ढा होगा बढ़ती हुई महंगाई कमरतोड़ बेरोजगारी एवं भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए समस्त प्रदेशवासियों से आवाहन किया है आगामी चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को हटाना है और कांग्रेस की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाना है।

राष्ट्रीय ओबीसी बहुजन महासंघ का दिल्ली में एल्गार

देश के 15 राज्य के प्रतिनिधीने हिस्सा लिया

संजीव भांबोरे

दिल्ली। (ऑल इंडिया प्रतिनिधी)09/09/2022 को न्यू महाराष्ट्र सदन में केंद्रीय कार्यकारणी कि पहली बैठक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. खुशाल बोपचे इनके अध्यक्षता में संपन्न हुयी द्य पहिली केंद्रीय बैठक में 15 राज्य के प्रतिनिधी ने हिस्सा लिया। ओबीसी और बहुजन समाज आजादी के 75 साल के बाद भी समस्या का हल नही हुआ । पूरे भारत देश के अंदर जात निहाय जनगणना होणे होनी चाहिये इस विषय पर बैठक मे विचार मंथन किया गया ।और पुरे देश के सभी राज्य के प्रतिनिधीयों ने जोर दिया। और इन मांगो को भारत सरकार मान्य नहीं करती तो देशव्यापी जन आंदोलन करने के संदर्भ मे सबकी सहमती प्राप्त हुई! नान क्लिमिलीअर को असंविधानिक सर्त निरस्त करने के संदर्भ मे भी जोर दिया गया !भारत कृषी प्रधान देश हैं, भारत के 80त्नअर्थवेवस्था कृषी और कृषी संबंधित कार्योपर ही निर्भर हैं !मगर भारत के किसान को उनके उत्पादन का पर्याप्त मुआवजा कोई भी सरकार ने नहीं देणे के कारण वह हमेशा दुर्लक्षित तथा आर्थिक कमजोरीमे वह अपना जीवन व्यापन कर रहा हैं !इसीलिये भारतीय किसान को राष्ट्रीय उत्पादक समजा जाय !और वास्तव में किसान तथा खेती मे काम करनेवाले खेतीहर मजदूर को उम्र के 55 साल के बाद शासकीय पेन्शन योजना केंद्र सरकार लागू करे !इस बात पर भी गंभीर चर्चा कार्य समिती मे कि गई !केंद्रीय कार्यकारिणीके समापन के बाद एक प्रतिनिधी मंडल राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ खुशालजी बोपचे इनके नेतृत्व मे भारत के पूर्व कृषी मंत्री तथा राष्ट्रवादी काँग्रेश के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा. श्री शरदचंद्र पवार साहब इनके

निवास स्थान पर अपनी मांगो को लेकर अपनी मांगो को अवगत कराया. इस पर पवार साहब ने भी सहमती जताते हुए ओबीसी, एस सी , एसटी सभी एकजूट होकर संघटित होकर संघर्ष करे तो आरक्षण मिल सकता हैं यह मार्गदर्शन दिये. इस बैठक मे सभा आयोजन गणेश भाऊ पारधी राष्ट्रीय युवक महासचिव राष्ट्रीय ओबीसी बहुजन महासंघ और सभा का संचालन विजयजी पटले राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राष्ट्रीय ओबीसी बहुजन महासंघ इन्होने किया सभा मे प्रमुख उपस्थिती मे भूमेश्वरजी कटरे राष्ट्रीय कार्यालयीन सचिव, अजयजी चौधरी (उत्तर प्रदेश), अरविंदजी खटाना (हरियाणा), खेमचंद कोली (दिल्ली) , राजकुमारजी बैसुया (दिल्ली),हिरालाल प्रजापती उत्तर प्रदेश, संतोष त्रिपाठी (उत्तर प्रदेश), एन पी हरियाणा, कृष्णा नामाजी (राजस्थान), विशालजी जोगदंड (उत्तर प्रदेश), डॉ. एस एन. गौतम जी (दिल्ली), रामनिवालजी (छत्तीसगड), अनिल कुमार वर्माजी (दिल्ली), उज्वल जी चौधरी (बिहार), उज्वल कोली गुजरात, आकाश सर्वा जी पंजाब, सुरेंद्र सिंग जी दिल्ली, तिलकजी चौधरी मध्यप्रदेश, विजयरावजी बिहार आदी पदाधिकारी उपस्थित थे ।

13 सितंबरः विधानसभा घेरावठेका कर्मचारियों के द्वारा भोपाल में होगा

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल मोबाइल 8878054839

भोपाल। मध्यप्रदेश आउटसोर्स के लिए कमलनाथ सरकार में श्रमायुक्त का आदेश, तीन साल नौकरी कर चुके आउटसोर्स कर्मियों को मिले 23,780 रूपए वेतन, 5 साल वालों को 28,770 रूपए

वासुदेव शर्मा

जैसे जैसे आल डिपार्टमेंट आउटसोर्स ठेका अस्थाई कर्मचारी संयुक्त मोर्चा की 13 सितंबर विधानसभा घेराव की तैयारियां गति पकड़ रही हैं, वैसे वैसे भाजपा के श्रमिक संगठन बीएमएस से जुडे कर्मचारी नेता विधानसभा घेराव पर तरह तरह के सवाल करने लगे हैं, उनमें एक सवाल यह है कि ÷15 महीने की कमलनाथ सरकार ने आउटसोर्सकर्मियों के लिए क्या किया?÷ यह सवाल करने वालों में भोपाल में बैठे मठाधीश कर्मचारी नेता है जिनका ताल्लुक राज्य कर्मचारी संघ, राज्य शिक्षक संघ से रहा है। इनके सवाल का जबाव श्रमायुक्त मध्य प्रदेश शासन का उक्त आदेश है जो 13 दिसंबर 2019 को जारी हुआ, तब मप्र में माननीय कमलनाथजी की सरकार थी। माननीय कमलमाथजी से सितंबर 2019 में गैर मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों का 60 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल वासुदेव शर्मा के नेतृत्व में मिला था, जिसमें आउटसोर्स कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि के रूप में मनोज भार्गव, रीतेश देवनाथ, साजिद सहित 10 सदस्य शामिल रहे थे। माननीय कमलनाथजी मुख्यमंत्री कार्यालय बल्लभ भवन में हुई बैठक एक घंटे तक चली थी, बैठक में मौजूद प्रतिनिधियों की पहली प्रतिक्रिया थी कि जीवन में पहली बार ऐसी बैठक हुई है। इस बैठक के बाद हर छोटे कर्मचारी में यह उम्मीद जागी कि माननीय कमलनाथजी ही आउटसोर्स, अस्थाई, अतिथि, ठेका कर्मचारियों का भविष्य संवारेंगे। बहरहाल, इस बैठक के तीन महीने बाद दो महत्वपूर्ण चर्चाएं कर्मचारी जगत में चर्चा का केंद्र रहीं; पहली, आउटसोर्स कर्मियों के लिए पालिसी बनाकर उन्हें जॉब गारंटी एवं केंद्र के समान न्यूनतम वेतन देना। 12 दिसंबर 2019 का श्रमायुक्त का आदेश आउटसोर्स को सुरक्षित करने की दिशा में पहला कदम था। (आदेश के सभी पांचों पैरों को गंभीरता पढें।) इसके आगे भी बहुत कुछ होता, इससे पहले मार्च 2020 में कमलनाथजी की सरकार गिरा दी गई, जिसका सबसे अधिक नुकसान आउटसोर्सकर्मियों को हुआ। दूसरा, अतिथि शिक्षकों को 12 महीने का सेवाकाल वर्ग-3 को 10 हजार, वर्ग-2 को 15 हजार एवं वर्ग-1 को 20 हजार फिक्स वेतन। आने वाले महीनों में अतिथि शिक्षकों लिए जारी हुए आदेश भी सार्वजनिक किए जाएंगे। अतिथि शिक्षकों के नेता जगदीश शास्त्री उन सभी बैठकों में मेरे साथ उपस्थित रहे हैं, जो पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथजी के साथ हुई थीं। भाजपा की शिवराज सरकार ने आउटसोर्सकर्मियों के लिए जारी हुए उक्त महत्वपूर्ण आदेश को दबाकर रख लिया है, शिवराज सरकार, कमलनाथ सरकार के समय जारी हुए आदेश के ही लागू कर देती है, उससे ही आफटसोर्सकर्मियों को बडी राहत मिल सकती है, लेकिन वह ऐसा नहीं करेगी। आदेश लागू करने की वजाय शिवराज सरकार ने आउटसोर्स कर्मियों को प्रताड़ित करना शुरू किया है, दो साल में बडी संख्या में सभी विभागों से आउटसोर्सकर्मियों को निकाला गया है, हाल ही में शिक्षा विभाग के 200 से अधिक व्यावसायिक प्रशिक्षकों को घर बिठा गया है, इतना ही नहीं वेतन भी कम किए गए हैं, छिंदवाडा के मीटर रीडरों के 3,500 रूपए कम कर दिए हैं, इसी तरह स्कूलों के भृत्य एवं छात्रावासों में काम करने वाले क्लास-4 के अस्थाई कर्मियों के वेतन भी 9 हजार से घटाकर 4-5 तक किए गए हैं। इसीलिए अब आउटसोर्स, ठेका, अस्थाई कर्मचारियों का एक साथ आना और मिलकर सरकार से संघर्ष करना जरूरी है, ऐसा करके ही हम लेग बच पाएंगे वरना शिवराज सरकार ने भूखों मारने का पूरा इंतजाम कर दिया है। आईए, 13 सितंबर को 12 बजे तक चिनार पार्क, भोपाल पहुंचे, विधानसभा घेराव को ऐतिहासिक बनाएं!

नरसिंहपुर, होशंगाबाद जिला के सैकड़ों अनुसूचित जाति के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कमलनाथ जी से मनीराम अहिरवार को राष्ट्रीय शहीद का दर्जा दिलाने की आवाज उठाने ज्ञापन सौंपा

अनुसूचित जाति समाज के कल्याण में काम कांग्रेस काम करेगीः कमलनाथ

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री प्रदीप अहिरवार जी के अथक प्रयासों से अनुसूचित जाति के संगठन को मजबूत करने की दिशा में भरसक प्रयास किया जा रहा है। भोपाल कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में अनुसूचित जाति कांग्रेस विभाग भोपाल का राजस्तीय कार्यकताओं का विशाल सम्मेलन आयोजित हुआ। जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री कमलनाथ जी मुख्य अतिथि, के साथ ही श्री पी. सी. शर्मा, श्री कमलेश्वर पटैल, श्री संजीव सक्सेना, इत्यादि वरिष्ठ कांग्रेस नेता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री प्रदीप अहिरवार जी प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग भोपाल और मंच संचालन श्री धर्मेन्द्र खटीक कार्यालय प्रभारी सहायक मंच संचालन श्री हेमंत नरवरिया ने किया। भोपाल जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष श्री महेश नंदमेहर जी

श्री ओसवाल, श्रीमती गीता जाटव, श्रीमती सीमा जी बकोरिया जी, रामविलास तिलवारी, जी के संयुक्त तत्वावधान में श्री कमलनाथ जी के स्वागत-सत्कार और अन्य सभी कांग्रेस के भोपाल पदाधिकारियों में श्री नोमेश नंदमेहर की टीम ने सभी अतिथियों को विशाल माला बीस फिट की मंच पर एक सूत्र में स्वागत हेतु पहनाकर अभिनन्दन किया। मध्यप्रदेश के सभी ब्लॉक, जिला और क्षेत्रीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस अवसर श्री कमलनाथ जी को मांग के तौर पर कांग्रेस वचन पत्र 2023 में अनुसूचित जाति के एकमात्र शहीद हुए वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय शहीद का दर्जा दिलाने एवं उनके उत्तराधिकारी श्री मूलचन्द मेधोनिया जी को सम्मान देने हेतु ज्ञापन सौंपा। इस आयोजन में गुना के श्री संतोष अहिरवार, पन्ना के श्री ओमप्रकाश अहिरवार, होशंगाबाद के श्री एडवोकेट श्री गुमान सिंह मांडले, राम मांडले, अजय अहिरवाल, राजू अहिरवार, कन्हैया अहिरवार, बद्रीप्रसाद अहिरवार, राजगढ़ के मुकेश अहिरवार, धर्मेंद्र सूरवंशी, नरसिंहपुर के श्री हरिशंकर बौद्ध, नीरज जी, रमेश अहिरवार, लेख राम अहिरवार, बालूप्रसाद अहिरवार, रायसेन के श्री पोहपसिंह अहिरवार, हरिश मेहरा, मदन अहिरवार पूर्व विधायक प्रत्याशी, हरदा के श्री मुरली प्रसाद रंगीले, रामनारायण निवारे,महेश लोंगरे, छतरपुर के श्री हरगोविंद अहिरवार, सहित मुरैना, टीकमगढ़, सागर, विदिशा आदि जिला के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने मध्यप्रदेश के एकमात्र अनुसूचित जाति के वीर शहीद मनीराम जी अहिरवार को राष्ट्रीय शहीद का दर्जा दिलाने की मांग संबंधी ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार और प्रदेश अनुसूचित जाति कांग्रेस अध्यक्ष श्री प्रदीप अहिरवार जी के नेतृत्व में अनुसूचित जाति वर्ग की बहुत बड़ी तागत बन रही है।

कैसा हो मंच

हमे ऐसा मंच बनाना है
समानता देश में लाना है
क्या चाहते थे हमारे पुर्वज
सभी को सच्चाई बताना है
हमें ऐसा मंच बनाना है,
समानता देश में लाना है।
मानवता की सब बातें करते
मानव मानव है एक बताते
उंचनीच की व्यवस्था फिर
किन दुष्ठो ने दुनिया में लाया है,
ऐसे प्रथाओं को मिटाना है
हमे ऐसा मंच बनाना है
समानता देश में लाना है।
सदियों से आपस में लड़ाया है
उनके सर पर तबला बजाना है
उसके झुठ को सामने लाना है
उसे नंगा करके नचाना है
हमे ऐसा मंच बनाना है
समानता देश में लाना है।
शोषण के विरुद्ध
आवाज उठाए जो,
छुआछूत के विरुद्ध
नारा लगाए जो,
जातिवाद को मिटाने
आगे आये जो,
ढोंग, पाखंड, आडंबर
को भगाए जो,
महिला सशक्तिकरण
लाए जो,
देवदासी प्रथा को
मिटाए जो,
भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज
उठाए जो,
श्रमिकों, कामगारों को
न्याय दिलाए जो,
बेरोजगारो को रोजगार
दिलाए जो,
निजीकरण को रोकने
सामने आए जो,
दहेज दानवो को सजा
दिलाए जो,
जमाखोरों पर लगाम
लगाए जो,
कन्या भ्रुण हत्या को
रुकवाए जो,
नशाखोरी पर लगाम
लगाए जो,
मानव मानव को एक
बताए जो
ऐसा ही मंच सजाना है
समानता देश में लाना है

-हरीश पांडल
विचार क्रांति
छत्तीसगढ़

आज जन आवाज मंच भोपाल की एक आवश्यक बैठक दमोह में तुलसी होटल में आयोजित की गई

भोपाल। आज जन आवाज मंच भोपाल की एक आवश्यक बैठक दमोह में तुलसी होटल में आयोजित की गई जिसमें जन आवाज मंच के साथ साथ अजाक्स संघ के पदाधिकारियों ने भी जन आवाज मंच की बैठक में सहभागिता की बैठक की अध्यक्षता पूर्व एस डी एम श्री नारायण सिंह ठाकुर ने की एव मुख्यातिथि के रूप में दमोह जिले वरिष्ठ कर्मचारी नेता श्री प्रताप रोहित व जन आवाज मंच की और से श्री अभिनय श्रीवास जी, अजाक्स के जिला अध्यक्ष डॉ मोहन आदर्श पूर्व जिला कनछेदी लाल आदि ने अपने विचार रखें बैठक की प्रस्तावना लीलाधर अहिरवार ने रखते हुए कहा आज कर्मचारियों का दोहरा शोषण किया जा रहा है मांग करने पर कार्यवाही मिलती है एवं एक कर्मचारी से अनेक योजनाओं का कार्य करवाया जाता है जबकि सुविधाओं के नाम पर कुछ भी नहीं दिया जा रहा है इसलिए जन आवाज मंच के माध्यम से आम जन मानस को जोड़ने की आवश्यकता हुई अभिनय श्रीवास ने कहा कि में भारतीय सेना से सेवा निवर्त होकर लोगों को जोड़कर प्रदेश में वर्षों से चरमराई हुई व्यवस्था को बदलने के लिए जन आवाज मंच के माध्यम से जन जन जागृति का कार्य कर रहा हूँ आप सभी एकजुट हों व वर्षों से चरमराई व्यवस्था को बदलने के लिए तैयार रहें प्रभारी गोविंद सिंह लोधी ने 25 सितंबर को सागर में होने वाले संभागीय आयोजन की जानकारी दी एवं लोगों से आने हेतु अपील कर आमंत्रित किया आजीविका मिशन कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष संदीप सिंह ने जन आवाज मंच से जुड़ने के लिए कर्मचारियों से अपील की बैठक में कोमल सिंह ठाकुर, अखलेश उपाध्याय, दिग्विजय सिंह ठाकुर, जन आवाज मंच के जिला प्रभारी कमल सिंह लोधी ,शंकर लाल कोरी ,प्यारेलाल लड़िया प्रेमलाल अहिरवार,आदि शामिल रहे बैठक का में शामिल सभी साथियों का आभार श्री नारायण सिंह ठाकुर जी ने माना।

विधायक पुष्पराजगढ़ के नेतृत्व में निकाली गई भारत, जोड़ो यात्रा के प्रथम चरण का समापन आज खुर्शी में

अनूपपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा 7 सितंबर को प्रारंभ की गई भारत जोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक प्रारंभ की गई।उसी तारतम्य में मध्यप्रदेश के अंदर पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष फुन्देलाल सिंह मार्को के नेतृत्व में 7 सितंबर से 14 सितंबर 2022 तक पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के 52 पोलिंग बूथों तक घर घर जाकर पदयात्रा के प्रथम चरण का समापन आज 14 सितंबर 2022 को ग्राम खुर्शी वेंकटनगर में अपराहन 4 बजे समापन किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण की यात्रा 20 तारीख के बाद प्रारंभ की जाएगी।पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को ने बताया कि अपने नेता राहुल गांधी कि भारत जोड़ो यात्रा के समर्थन में पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पदयात्रा कर आज देश में बढ़ती हुई बेरोजगारी, महंगाई,भ्रष्टाचार से लोगों को अवगत कराने का कार्य पदयात्रा के दौरान किया गया।इसके साथ ही वह भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से यह भी बताने का काम किए है कि देश की विभिन्न समस्याओं के लिए यदि कोई पार्टी मजबूती से लड़ाई लड़ रही है तो वह सिर्फ कांग्रेस पार्टी है और हमारे नेता राहुल गांधी हैं।उन्होंने यह भी लोगों से बताया कि जो नफरत आरएसएस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार फैला रहे है उसे रोकने का काम करें।उन्होंने बताया कि हमारे नेता राहुल गांधी जी 7 सितंबर 2022 को कन्याकुमारी से भारत जोड़ो यात्रा का शुभारंभ किए हैं यह यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक पहुंचने में लगभग डेढ़ सौ दिन लगेंगे, यात्रा 12 राज्यों से होकर

गुजरेगी। पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को ने अपनी पदयात्रा का शुभारंभ 7 सितंबर 2022 को ग्राम उमरिया में यात्रा के प्रभारी सरपंच ज्ञान सिंह, बोधन सिंह मार्को की उपस्थिति में सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं टेलीविजन पर कार्यक्रम का अवलोकन करने के पश्चात 8 सितंबर को प्रातः 9 बजे ग्राम उमरिया से पदयात्रा माननीय राहुल गांधी जी के भारत जोड़ो पदयात्रा के समर्थन में विधानसभा क्षेत्र में प्रारंभ किए।यात्रा 52 पोलिंग बूथों से होते हुए आज 14 सितंबर 2022 को ग्राम-खुर्शी पहुंचेगी जहां कार्यक्रम का समापन कार्यक्रम आयोजित होगा एवं आम सभा का आयोजन किया जाएगा।

गांजा के अवैध तस्करी के विरुद्ध अनूपपुर पुलिस की बड़ी कार्यवाही

कोतमा। आज दिनांक 10.09.2022 को पुलिस अधीक्षक अनूपपुर को मुखबिर से प्राप्त सूचना हुई की अनूपपुर जिले में गांजा का एक बड़ा खेप आने वाला है, गांजा की तस्करी करने वाले कुछ अज्ञात व्यक्ति, गांजा लेकर छत्तीसगढ़ की तरफ से जिला अनूपपुर में बिक्री हेतु आने वाले हैं। इस सूचना को पुलिस अधीक्षक अनूपपुर द्वारा गंभीरता से लेते हुये, सूचना की तस्दीक हेतु अति0पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री अभिषेक राजन के मागदर्षन एवं थाना प्रभारी रामनगर राकेष कुमार बैस एवं चैकी प्रभारी फुनगा सुमित कौषिक के के नेतृत्व में 02 विषेष टीमें गठित कर, पेन्ड्रा की तरफ से अनूपपुर आने वाले रास्तो मुखबिर की सूचना की तस्दीक करने हेतु निर्देषित किया गया है। चैकी फुनगा की गठित विषेष टीम के द्वारा द्वारा मुखबिर के बताए स्थान धुरवासिन नदी के पुल के पास र क्शा रोड पर वाहनों की जॉच प्रारंभ की गई, इसी दौरान संदिग्ध वाहन टाटा नेक्सान आता दिखाई दिया जिसे नाकाबंदी कर रोका गया जिसमें 02 व्यक्ति बैठे हुये थे, उक्त वाहन की तलाशी लिए संदेहियों द्वारा अपना नाम क्रमषः 1. मोतीलाल केवट पिता स्व. शिवकरण केवट उम्र 34 वर्ष निवासी भाद थाना भालूमाड़ा 2. सूरज नापित पिता लल्लू केवट उम्र 30 वर्ष नि0 जरियारी थाना जैतहरी बताये, वाहन की तलासी लेने पर कार की डिक्की में नीली हरी पन्नी में भूरे रंग का टेप लपेटे हुए अवैध मादक पदार्थ गाँजा लोड था, जिसका कुल वजन 43

किलो 700 ग्राम जिसका कीमत 3,49,000/- रू. का गांजा लोड था। इसी प्रकार थाना रामनगर की विषेष टीम के द्वारा छत्तीसगढ़ तरफ से खोंगापानी, मनेन्द्रगढ़ आने वाले मार्ग में भेडवानाला के पहले मोड़ पेन्ड्रा से मनेन्द्रगढ़ जाने वाले मोड़ में पुलिस स्टापर, बड़े-बड़े पत्थर व लकड़ी लगाकर रोड को ब्लाक करते हुये नाकाबंदी की गई इसी दौरान समय लगभग 08 बजे मुखबिर द्वारा बताये अनुसार अल्टो कार सामने से आते हुये दिखाई दी, पुलिस द्वारा की गई नाकाबंदी को देखकर कुछ दूर पहले ही गाड़ी खड़ाकर तीन लोग अलग-अलग दिषा में भागने लगे जिसे पुलिस द्वारा नाकाबंदी कर पकड़ा गया । पुलिस द्वारा पूंछतांछ करने पर उसके द्वारा अपना नाम 01. राजकुमार दीवान पिता रामराज दीवान उम्र 40 वर्ष निवासी छप्पन दफाई खोंगापानी छ.ग. 02. महेन्द्र कुमार रौतिया पिता रामप्रसाद रौतिया उम्र 40 वर्ष निवासी एकता नगर खोंगापानी छ.ग. 03 सुषील कुमार यादव पिता शोभनाथ यादव उम्र 38 वर्ष निवासी छप्पन दफाई खोंगापानी छ.ग. बताया गया। गाड़ी की तलासी लेने पर गाड़ी की पीछे की डिक्की में अवैध मादक पदार्थ गांजा के 21 पैकेट जिसका कुल बजन 40 किलो रखा हुआ पाया गया। उक्त दोनों घटनाओं पर क्रमषः थाना भालूमाड़ा एवं थाना रामनगर में अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करने पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। दोनों प्रकरणों में 05 आरोपी 1. मोतीलाल केवट पिता स्व. शिवकरण केवट उम्र 34 वर्ष निवासी भाद थाना भालूमाड़ा 2. सूरज नापित पिता लल्लू केवट उम्र 30 वर्ष नि0 जरियारी थाना जैतहरी 03. राजकुमार दीवान पिता रामराज दीवान उम्र 40 वर्ष निवासी छप्पन दफाई खोंगापानी छ.ग. 04. महेन्द्र कुमार रौतिया पिता रामप्रसाद रौतिया उम्र 40 वर्ष निवासी एकता नगर खोंगापानी छ.ग. 05 सुषील कुमार यादव पिता शोभनाथ यादव उम्र 38 वर्ष निवासी छप्पन दफाई खोंगापानी छ.ग. को हिरासत में लिया गया है।

जैन मंदिर के पुजारी ने बच्चे को पीटा मामले को जिला सागर भीम आर्मी ने लिया संज्ञान में लिया, केस दर्ज

सागर सिद्धांयतन जैन मंदिर के पुजारी ने चोरी के शक में एक बच्चे को रस्सी से बांधकर उसके साथ मारपीट की और उसके साथ जातिसूचक गाली गलौज की गई जिसकी सूचना मिलते ही भीम आर्मी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नरेंद्र सिंह सूर्यवंशी जी और भीम आर्मी जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र अहिरवार जी ने मामले को संज्ञान में लिया और एफ आई आर दर्ज करवाई रिपोर्ट पर पुलिस ने पुजारी राकेश जैन के खिलाफ विभिन्न धाराओं मे केस दर्ज किया बच्चे ने थाने में बताया कि 8 सितंबर को दोपहर 1:30 बजे वह अपने दोस्त को बुलाने के लिए सिद्धांयतन मंदिर छोटा करीला गया था, गेट पर खड़ा था तभी जैन मंदिर के पुजारी राकेश जैन आए और नाम जाति पूछ कर जातिसूचक गाली गलौज करने लगे वे बोले तुम चोरी करने आया है इसके बाद उन्होंने छठे और घुसे मारे। मुझे धमकी दी कि रिपोर्ट लिखवाई तो जान से मार देंगे रिपोर्ट पर पुलिस ने राकेश जैन के खिलाफ धारा 294,223,506.व एससी एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया इस घटना को लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जैसलमेर रोते बिलखते एक बच्चे को रस्सी से बांधते हुए दिखाया गया।

चाय की दुकान पर तोड़फोड़ मामला दर्ज

बरेली। मंगलवार को पिपरिया रोड पर ओवर ब्रिज के पास चाय की दुकान पर तोड़फोड़ और मारपीट करने वाले को खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी मनोज,किरार निवासी नर्मदा कॉलोनी ओवर ब्रिज के पास दोपहर 2ः00 बजे अपनी चाय की दुकान पर चला रहे थे तभी बाइक से तो दुकान पर आए देवेंद्र सिंह और निर्भय सिंह मनोज,से रुपया मांगने लगे रुपया ना देने पर गाली गलौजकरते हुए दुकान पर तोड़फोड़ कर डंडे से मारपीट शुरू कर दी उस समय सामने से निकला रहा राजू भैया कोटपार,वाले को फरियादी मनोज, किरार घटनाएं बताएं राजू भैया दोनों को समझानेलगे आरोपियों पर समझाने का कोई असर नहीं हुआ उल्टा देवेन्द्र,सिंह ने राजू भैया के पास में रखा फावड़ा उठाकर मार दिया।

पुल से,तेंदूनी नदी में गिरी बोलेरो जीप चालक सुरक्षित निकला

बरेली। सोमवार की रात 2:00 बजे पिपरिया से बरेली की ओर आ रही एक बोलेरो जीप गाय को बचाने के चक्कर में बाग पिपरिया में तेंदूनी पुल से अनियंत्रित होकर नदी में गिर गई तेज़ बहाव के साथ बह रही तेंदोनी नदी में जीप गिरने के बावजूद चालक भवानी सिंह नोरिय किसी तरह सुरक्षित निकालने में,कामयाब रहा चालक के सिर, में और हाथ में चोटजो भवानी सिंह ने बताया कि वह सवारी छोड़कर पिपरिया से वापस लौट रहा था तभी, पुल,गाय को बचाने के चक्कर में, जीप अनियंत्रित होकर नदी में गिर गई जीप का एक कांच खुला हुआ था पलटते हुए जीप से किसी तरह बाहर निकाला और नदी के किनारे पहुंच।

आओ हम कुछ लिखे और पढ़ें

मिटाने देश का जलवा, यहां गद्दार बैठे हैं।
चुराने चेन हम सबका यहां रंगदार बैठे हैं।
संभल जाओ संभल जाओ, तुम्हें आगाह करते हैं।
करो औलाद की रक्षा, यहां वेओलाद बैठे हैं।

शरीफों के संग में हिंसा, गुनहगारों को है माला।
अमन की बात कर कर के, यहां कोहराम रच डाला।
बांट कर जाती पाती में, यहां नफरत का है मंजर
गिरवी रख दिया है सब वतन कंगाल कर डाला।

यहां पर धर्म के अड्डे बने अय्याश खाने हैं।
बिछा पाखंड की दरिया हुए अपने बेगाने हैं।
बोलती बंद है सबकी नहीं अंकुश लगाते हैं।
बने हैं उन पर हमलावर कोई आवाज उठाते हैं।

बना बैठे हैं चौराहों पर छलक ने जाम मयखाने।
बिगड़ती है दशा उनकी, चले हैं जाम छलकाने।
चलाने देश का जिम्मा, जिन्हें हाथों में देना था।
नशा ने नाश कर डाला, हुये सबमय के दीवाने।

गोपीलाल अहिरवार

अम्बेडकर सोसायटी मण्डीदीप, जिला रायसेन म प्र की बैठक हुई सम्पन्न।

मण्डीदीप। दिनांक 14 सितम्बर 22 स्थान- सामुदायिक भवन मंगल बाजार मण्डीदीप। जिसमे मंच पर उपस्थित रहे,श्री हरभजन जागडे जी(अध्यक्ष अम्बेडकर सोसायटी मण्डीदीप), श्री पंचम सिंह अहिरवार पार्षद वार्ड क्रमांक 10 मण्डीदीप पूर्व अध्यक्ष रविदास मंदिर समिति मण्डीदीप) श्री दौलत राम जी (पार्षद मण्डीदीप),रविशंकर सूर्यवंशी (सम्भाग अध्यक्ष अहिरवार समाज संघ एवं अध्यक्ष 22 गांव रविदास मंदिर समिति मण्डीदीप), हरि प्रसाद चौधरी (जिला अध्यक्ष अहिरवार समाज संघ रायसेन), महाराम अहिरवार (पूर्व पार्षद मण्डीदीप), बहन? ओमबती दामडे जी (विशेष समाज सेवी), छोटे राम अहिरवार (पूर्व सरपंच समरधा),डी के बघेल (पूर्व जिला अध्यक्ष भीम आर्मी रायसेन), दौलत अहिरवार (मंडल मंत्री भाजपा) प्रेम बघेल (अध्यक्ष डॉ अम्बेडकर समिति सतलापुर),प्रभूदयाल जागडे (वि स अध्यक्ष बसपा), मंच का कुशल संचालन कर रहे राधेश्याम चितामण जी (कार्य वाहक अध्यक्ष अम्बेडकर सोसायटी)। इन सभी वक्ताओं ने बाबा साहब के कठिन संघर्ष को वताते हुए,सभी महापुरुषों की विचार धारा को भारत मे फैलाते

हुए,अपनी अपनी बात रखी। जिसमें हरभजन जागड़े जो कि अम्बेडकर सोसायटी के अध्यक्ष उन्होंने कहा कि आगे आने बाले नगर पालिका मण्डीदीप मे हमे अनुसूचित जाति का नगर पालिका अध्यक्ष बनाना है जिसमे सभी साथी अभी से अपने अपने स्तर से मेहनत शुरू कर दे, और अम्बेडकर सोसायटी का हुआ विस्तार विभिन्न पदो पर हुई नियुक्तियां 20 से 25 लोगो ने अम्बेडकर सोसायटी को सम्भारने की दी जिम्मेदारी और अंत मे जागडे जी द्वारा दिलाई गई शपथ की आने बाले नगर पालिका चुनाव मे अनुसूचित जाति के व्यक्ति को

संपादकीय

विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में भारत ने बढ़ा दिये हैं कदम

क्षेत्रों (सेवा, उद्योग एवं कृषि) में आर्थिक गतिविधियों के गति पकड़ने के चलते वैश्विक आर्थिक संकट के बीच वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत की क्रेडिट रेटिंग को बरकरार रखा है। मूडीज के अनुसार, भारतीय बैंकिंग प्रणाली की गुणवत्ता में और सुधार होगा। पारम्परिक रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे अधिक योगदान सेवा क्षेत्र का रहता आया है एवं रोजगार के सबसे अधिक नए अवसर भी सेवा क्षेत्र में ही निर्मित होते रहे हैं। इस दृष्टि से कोरोना महामारी के बाद अभी हाल ही में बहुत अच्छी खबर आई है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में सेवा क्षेत्र एक बार पुनः मजबूत आधार के रूप में उभर कर सामने आया है। कोरोना महामारी के खंडकाल में सेवा क्षेत्र ही सबसे अधिक बुरे तौर पर प्रभावित हुआ था एवं इसी क्षेत्र में ही रोजगार के सबसे अधिक अवसर प्रभावित हुए थे। परंतु, अब सेवा क्षेत्र में तेजी से हुए सुधार की वजह से देश का परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स यानी पीएमआई अगस्त 2022 में 57.2 अंकों पर पहुंच गया है, जो जुलाई 2022 में 55.5 अंकों के स्तर पर था। आर्थिक गतिविधियों, विशेष रूप से सेवा क्षेत्र में हुए सुधार के चलते भारत में रोजगार भी पिछले 14 वर्षों में सबसे तेज गति से बढ़ा है। सेवा क्षेत्र में व्यापार, होटल और रेस्तरां, परिवहन, भंडारण और संचार आदि से जुड़ी गतिविधियों जैसी कई तरह की अन्य गतिविधियां भी शामिल रहती हैं। वैसे तो उद्योग क्षेत्र एवं कृषि क्षेत्र में भी आर्थिक गतिविधियों में सुधार दृष्टिगोचर है परंतु सेवा क्षेत्र में आए उछाल के चलते आज भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। ब्रिटेन को विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के स्थान से नीचे लाकर भारत अब विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत से आगे अब केवल अमेरिका, चीन, जापान एवं जर्मनी हैं। ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है वर्ष 2030 के पूर्व भारत अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। भारतीय अर्थव्यस्था में लगातार तेज गति से हो रही वृद्धि के कारण देश में बेरोजगारी की दर में भी कमी आने लगी है। अप्रैल-जून 2022 तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 13.5 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है। जबकि विश्व की अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं जैसे- चीन की इस अवधि में जीडीपी वृद्धि दर 0.4 प्रतिशत रही है, स्पेन में 1.1 प्रतिशत, इटली में 1.0 प्रतिशत, फ्रांस में 0.5 प्रतिशत, जर्मनी में 0.1 प्रतिशत, ब्रिटेन में -0.10 प्रतिशत और अमेरिका में -0.6 प्रतिशत रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि अप्रैल-जून 2022 तिमाही में भारत में शहरी बेरोजगारी की दर घटकर 7.6 प्रतिशत पर आ गई है, जो जनवरी-मार्च 2022 तिमाही में 8.2 प्रतिशत, अप्रैल-जून 2021 तिमाही में 12.7 प्रतिशत एवं अप्रैल-जून 2020 तिमाही में 8.9 प्रतिशत थी।

महात्मा गांधी के आग्रह के बाद भी हम अंग्रेजी का मोह नहीं छोड़ सके

तुर्की जब स्वतंत्र हुआ, तब आधुनिक तुर्की के संस्थापक कमालपाशा ने जिन बातों पर गंभीरता से ध्यान दिया, उनमें से एक भाषा भी थी। कमालपाशा ने विरोध के बाद भी बिना समय गंवाए शिक्षा से विदेशी भाषा को हटा कर तुर्की को अनिवार्य कर दिया। क्योंकि, वह तुर्की के लोगों में राष्ट्रीयता की भावना का विस्तार करना चाहते थे, इसके लिए उन्हें अपनी भाषा की आवश्यकता थी। चूँकि उस समय तुर्की अरबी लिपि में लिखी जाती थी, इसलिए उन्होंने एक घोषणा और की जिसमें उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे लोग सरकारी नौकरी से वंचित कर दिए जाएंगे, जिन्हें लैटिन लिपि का ज्ञान नहीं होगा।

भारत में जिस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की चर्चा अकसर हिंदू संगठन या फिर राजनीतिक संदर्भ में होती है, वह संगठन सदैव अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए उपाय करता रहता है। किंतु, इस नाते उसका उल्लेख कम ही हो पाता है। तुर्की जब स्वतंत्र हुआ, तब आधुनिक तुर्की के संस्थापक कमालपाशा ने जिन बातों पर गंभीरता से ध्यान दिया, उनमें से एक भाषा भी थी। कमालपाशा ने विरोध के बाद भी बिना समय गंवाए शिक्षा से विदेशी भाषा को हटा कर तुर्की को अनिवार्य कर दिया। क्योंकि, वह तुर्की के लोगों में राष्ट्रीयता की भावना का विस्तार करना चाहते थे, इसके लिए उन्हें अपनी भाषा की आवश्यकता थी। चूँकि उस समय तुर्की अरबी लिपि में लिखी जाती थी, इसलिए उन्होंने एक घोषणा और की जिसमें उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे लोग सरकारी नौकरी से वंचित कर दिए जाएंगे, जिन्हें लैटिन लिपि का ज्ञान नहीं होगा। इसी प्रकार दुनिया भर में बिखरे यहूदियों को जब उनकी भूमि प्राप्त हुई, तो उन्होंने भी अपनी भाषा 'हिब्रू' को ही अपनाया। सोचिए, भूमिहीन यहूदियों की भाषा कहीं लिखत-पढ़त के व्यवहार में नहीं थी। इसके बाद भी जब यहूदियों ने इजराइल का नवनिर्माण किया तो राख के ढेर में दबी अपनी भाषा हिब्रू को जिंदा किया। आज जिस अंग्रेजी की अनिवार्यता भारत में स्थापित करने का प्रयास किया जाता है, उसके स्वयं के देश ब्रिटेन में वह एक जमाने में फ्रेंच की दासी थी। बाद में ब्रिटेन के लोगों ने आंदोलन कर अपनी भाषा 'अंग्रेजी' को उसका स्थान दिलाया। अपनी भाषा में समस्त व्यवहार करने वाले यह देश आज अग्रणी पंक्ति में खड़े हैं। अपनी भाषा में शिक्षा-दीक्षा के कारण ही यहाँ के नागरिक अपने देश की उन्नति में अधिक योगदान दे सके। अपनी भाषा का महत्व दुनिया के लगभग सभी देश समझते हैं। इसलिए उनकी आधिकारिक भाषा उनकी अपनी मातृभाषा है। किंतु, हम अभागे लोग जब स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद भी मानसिक दासिता से मुक्ति नहीं पा सके। महात्मा गांधी के आग्रह के बाद भी अंग्रेजी का मोह नहीं छोड़ सके। भारत में जिस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की चर्चा अकसर हिंदू संगठन या फिर राजनीतिक संदर्भ में होती है, वह संगठन सदैव अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए उपाय करता रहता है। किंतु, इस नाते उसका उल्लेख

कम ही हो पाता है। अपनी संस्कृति की श्रेष्ठता को स्थापित करने के प्रयत्नों में आरएसएस 'मातृभाषा' के महत्व को भी रेखांकित करता है। दरअसल, संघ मानता है कि- ÷भाषा किसी भी व्यक्ति एवं समाज की पहचान का

■ भारतीय भाषा मंच ने अपने उद्देश्य में 18 बिन्दु शामिल किए हैं।

एक महत्वपूर्ण घटक तथा उसकी संस्कृति की सजीव संवाहिका होती है। देश में प्रचलित विविध भाषाएँ एवं बोलियाँ हमारी संस्कृति, उदात्त परंपराओं, उत्कृष्ट ज्ञान एवं विपुल साहित्य को अक्षुण्ण बनाये रखने के साथ ही वैचारिक नवसृजन हेतु भी परम आवश्यक हैं÷। अंग्रेजी के प्रभाव में जिस तरह भारतीय भाषाओं को नुकसान हो रहा है। यहाँ तक कि भारतीय भाषाओं के बहुत से शब्द विलुप्त हो गए हैं। उनमें अंग्रेजी और विदेशी भाषाओं के शब्दों की भरमार हो गई है। इस अनधिकृत घुसपैठ से कई बोलियाँ और भाषाएँ या तो पूरी तरह विलुप्त हो चुकी हैं या फिर विलुप्त होने की कगार पर हैं। भारतीय भाषाओं की इस स्थिति को देखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पहल करते हुए 2015 में नागपुर में आयोजित अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में 'भारतीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्द्धन की आवश्यकता' शीर्षक से प्रस्ताव पारित कर महत्वपूर्ण कदम उठाया। हालाँकि, संघ अपने प्रारंभ से ही भारतीय भाषाओं के संवर्द्धन के लिए प्रयासरत है। किंतु, आज की स्थिति में भारतीय भाषाओं पर आसन्न विकट संकट को देखकर संघ ने सभी सरकारों, अन्य नीति निर्धारकों और स्वैच्छिक संगठनों सहित समस्त समाज से आग्रह किया है कि वह अपनी भाषाओं को बचाने के लिए आगे आएं। इसके लिए संघ ने अपने प्रस्ताव में कुछ करणीय कार्यों एवं उपायों का उल्लेख किया है। भारत के राजनेताओं की स्वार्थपरक नीतियों एवं संकीर्ण सोच के कारण देश का बहुत अहित हुआ है। स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भी हिंदी उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक संपर्क की भाषा थी। हम चाहते तो उस समय हिंदी को राष्ट्रभाषा का सम्मान दे सकते थे। उसे राजकाज की भाषा बना सकते थे और अन्य भारतीय भाषाओं को भी यथोचित सम्मान दे सकते थे। राज्यों में उनकी भाषा और देश स्तर पर हिंदी के प्रचलन को बढ़ा सकते थे। किंतु, हमारे औपनिवेशिक दिमागों ने यह स्वीकार नहीं किया और अंग्रेजी को ही राज-काज की भाषा बनाए रखा। भाषाओं का ऐसा झगड़ा प्रारंभ किया कि भारतीय भाषाएं अपने ही घर में आपस में एक-दूसरे के विरुद्ध हो गईं और अंग्रेजी उन सबके ऊपर हो गई। पिछले 70 वर्षों में इस भाषा नीति का परिणाम यह हुआ कि आज हमें अपनी भाषाओं को बचाने के लिए अभियान और आह्वान लेकर निकलना पड़ रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज भारतीय भाषाओं की चिंता नहीं कर रहा है, बल्कि उसने स्वतंत्रता के तीन वर्ष पश्चात ही हिंदी को न केवल राष्ट्रभाषा अपितु विश्वभाषा बनाने का आह्वान किया था। दो मार्च, 1950 को रोहतक में हरियाणा प्रांतीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन हुआ था। इस अवसर पर संघ के सरसंघचालक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर 'श्रीगुरुजी' ने जो उद्बोधन दिया था, उसका शीर्षक ही था- 'हिंदी को विश्वभाषा बनाना है'। संघ जिस राष्ट्रीयता, भारतीयता, संस्कृति की ध्वजपताका थामकर चल रहा है, उसका महत्वपूर्ण घटक भाषा है। यह केवल हिंदी नहीं है। हिंदी तो समूचे हिंदुस्थान की प्रतीक है। किंतु, हिंदुस्थान की पहचान उसकी विविधता है। यह विविधता भाषाओं में भी है। बोलियों में भी। संघ उसी विविधता में एकात्म संस्कृति का प्रचारक है, इसलिए वह सभी भारतीय भाषाओं एवं बोलियों को लेकर सजग है। भारतीय भाषाओं की वर्तमान स्थिति, उसमें बेहतरी और समस्त भारतीय भाषाओं को नजदीक लाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से वर्ष 2015 में 'भारतीय भाषा मंच' मंच की स्थापना भी की गई है। भारतीय भाषा मंच ने अपने उद्देश्य में 18 बिन्दु शामिल किए हैं। प्रतिनिधि सभा ने जिन आग्रहों का उल्लेख अपने प्रस्ताव में किया है, वह सब भारतीय भाषा मंच के उद्देश्यों में शामिल हैं। मंच के प्रयासों का प्रतिफल भी आ रहा है। यहाँ उल्लेखनीय होगा कि प्रतिनिधि सभा ने वर्ष 2015 में भी मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा हेतु एक प्रस्ताव पारित किया है। उस प्रस्ताव में संघ ने जोर देकर कहा था कि प्रारंभिक शिक्षण किसी विदेशी भाषा में करने पर जहाँ व्यक्ति अपने परिवेश, परंपरा, संस्कृति और जीवन मूल्यों से कटता है वहीं पूर्वजों से प्राप्त होने वाले ज्ञान, शास्त्र, साहित्य आदि से अनभिज्ञ रहकर अपनी पहचान खो देता है। भारत को अपनी पहचान न केवल बचानी है, बल्कि जिस गुरुतर भूमिका के निर्वाहन की ओर वह बढ़ रहा है, उसके लिए भी उसे अपनी भाषाओं का संरक्षण एवं संवर्द्धन करना ही होगा। संभव है कि अपनी भाषा के बिना भी वह विश्व पटल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा दे, लेकिन वह उपस्थिति बहुत कमजोर होगी। अपनी संस्कृति को खोकर कोई भी राष्ट्र टिक नहीं सकता है। 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' और 'नये भारत' के निर्माण के लिए भी अपनी सांस्कृतिक तत्वों को सहेजना और उनको व्यवहार में लाना आवश्यक है।

हिंदी और दूसरी क्षेत्रीय भाषाओं की लगातार अनदेखी की जा रही है

हर भाषा की अपनी अहमियत होती है। फिर भी मातृभाषा हमें सबसे प्यारी होती है, क्योंकि उसी ज़ुबान में हम बोलना सीखते हैं। बच्चा सबसे पहले मां ही बोलता है। इसलिए भी मां बोली हमें सबसे अज़ीज़ होती है। लेकिन देखने में आता है कि कुछ लोग जिस भाषा के सहारे ज़िन्दगी बसर करते हैं, यानी जिस भाषा में लोगों से संवाद क़ायम करते हैं, उसी को तुच्छ समझते हैं। बार-बार अपनी मातृभाषा का अपमान करते हुए अंग्रेज़ी की तारीफ़ में क़सीदे पढ़ते हैं। हिन्दी के साथ ऐसा सबसे ज़्यादा हो रहा है। वे लोग जिनके पुरखे अंग्रेज़ी का ए नहीं जानते थे, वे भी हिन्दी को गरियाते हुए मिल जाएंगे। हक़ीक़त में ऐसे लोगों को न तो ठीक से हिन्दी आती है और न ही अंग्रेजी। दरअसल, वह तो हिंदी को गरिया कर अपनी कुंठा का सार्वजनिक प्रदर्शन करते रहते हैं। अंग्रेज़ी भी अच्छी भाषा है। इंसान को अंग्रेज़ी ही नहीं, दूसरी देसी-विदेशी भाषाएं भी सीखनी चाहिए। इल्म हासिल करना तो अच्छी बात है, लेकिन अपनी

मातृभाषा की क़ुर्बानी देकर किसी दूसरी भाषा को अपनाए जाने को किसी भी सूरत में जायज़ नहीं ठहराया जा सकता है। यह अफ़सोस की बात है कि हमारे देश में हिंदी और दूसरी क्षेत्रीय भाषाओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। हालत यह है कि अब तो गांव-देहात में भी अंग्रेज़ी का चलन बढ़ने लगा है। पढ़े-लिखे लोग अपनी मातृभाषा में बात करना पसंद नहीं करते, उन्हें लगता है कि अगर वे ऐसा करेंगे तो गंवार कहलाएंगे। क्या अपनी संस्कृति की उपेक्षा करने को सभ्यता की निशानी माना जा सकता है, क़तई नहीं। हमें ये बात अच्छे से समझनी होगी कि जब तक हिंदी भाषी लोग खुद हिन्दी को सम्मान नहीं देंगे, तब तक हिंदी को वो सम्मान नहीं मिल सकता, जो उसे मिलना चाहिए। देश को आज़ाद हुए साढ़े सात दशक बीत चुके हैं। इसके बावजूद अभी तक हिंदी को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा हासिल नहीं हो पाया है। यह बात अलग है कि हर साल 14 सितम्बर को हिंदी दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन कर रस्म अदायगी कर ली जाती है। हालत यह है कि कुछ लोग तो अंग्रेज़ी में भाषण देकर हिंदी की दुर्दशा पर घड़ियाली आंसू बहाने से भी नहीं चूकते। हमारे देश भारत में बहुत सी भाषायें और बोलियां हैं। इसलिए यहां यह कहावत बहुत प्रसिद्ध है- कोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर वाणी। भारतीय संविधान में भारत की कोई राष्ट्र भाषा नहीं है। हालांकि केन्द्र सरकार ने 22 भाषाओं को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थान दिया है। इसमें केन्द्र सरकार या राज्य सरकार अपने राज्य के मुताबिक़ किसी भी भाषा को आधिकारिक भाषा के रूप में चुन सकती है। केन्द्र सरकार ने अपने काम के लिए हिन्दी और रोमन भाषा को आधिकारिक भाषा के रूप में जगह दी है। इसके अलावा राज्यों ने स्थानीय भाषा के मुताबिक़ आधिकारिक भाषाओं को चुना है। इन 22 आधिकारिक भाषाओं में असमी, उर्दू, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओडिया, पंजाबी, संस्कृत, संतली, सिंधी, तमिल, तेलुगू, बोड़ो, डोगरी, बंगाली और गुजराती शामिल हैं।

इस वजह से दबाव में आकर चीन अपनी सेना पीछे हटाने पर मजबूर हुआ

भारत और चीन का सेना हटाने का निर्णय बहुत अच्छा है। किंतु इसका ईमानदारी से पालन किया जाना चाहिए। क्योंकि चीन की ओर से ऐसा होता नहीं है। चीन अपनी बात पर प्रायः टिकता नहीं है। वह एक जगह समस्या खत्म करता है। दूसरी जगह नया मोर्चा शुरू कर देता है। बताया गया है कि इस बार सेना हटाने का यह निर्णय 16वें दौर की भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की बैठक में हुआ। भारत की तरफ चुशुल-मोल्दो सीमा मिलन स्थल पर 17 जुलाई को ये बैठक हुई थी। इसमें दोनों पक्ष पश्चिमी क्षेत्र में जमीन पर सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने पर सहमत हुए थे। इस दौरान हॉट स्प्रिंग क्षेत्र के पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 से सैनिकों की वापसी पर सहमति बनी थी। 16वें दौर की सैन्य वार्ता करीब साढ़े बारह घंटे तक चली थी। इस दौरान भारत ने फिर से चीन पर दबाव डाला कि वह पूर्वी लद्दाख के विवाद वाले क्षेत्रों से सेना पूरी तरह पीछे हटाए। सेना के पीछे हटने के बारे में बताया कुछ भी जा रहा हो किंतु सच्चाई यह है कि चीन सेना हटाने को लेकर इसलिए सहमत हुआ क्योंकि 15-16 सितंबर को उज्बेकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का वार्षिक शिखर सम्मेलन है। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग शामिल होंगे। चीन को

लगा कि इस तनावपूर्ण माहौल में बैठक की कामयाबी की उम्मीद नही की जा सकती। भारत इस तरह के मंचों पर चीन की गलत हरकतों से पहले ही दुनिया को अवगत कराता रहा है। यदि यह बैठक न होती तो चीन शायद कभी भी अपनी हरकत से बाज न आता। उसकी सेनाएं ऐसे ही तैनात रहतीं, जैसी थीं। ऐसा ही डोकलाम विवाद के समय हुआ था। तीन माह से भारत और चीन की सेना यहां आमने-सामने थीं। चीन यहां से सड़क बनाना चाहता था। भारत इस बात पर अड़ा था कि वह सड़क नहीं बनने देगा। भारतीय सैनिकों ने चीन के सड़क बनाने के उपकरण ठेल कर नीचे गिरा दिए थे। वहां भी तीन महीने तक हालत नाजुक बने रहे। दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने रहीं। चीन में ब्रिक्स देशों का सम्मेलन होना था। चीन में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाना था।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ.चौधरी ने रायसेन में डेंगू से जंग-जनता के संग जनजागरूकता अभियान का किया शुभारंभ

रायसेन। स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा रायसेन में डेंगू से जंग-जनता के संग जनजागरूकता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वास्थ्य मंत्री ने लार्वा नष्ट करने के लिए पाउडर और स्प्रे से रसायन का छिड़काव भी किया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि आज मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भोपाल में इस प्रदेशव्यापी डेंगू से जंग-जनता के संग जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया है। प्रदेश के सभी जिलों में सांसद, मंत्री, विधायक, जनप्रतिनिधि इस अभियान में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि डेंगू को फैलने से रोकने लिए लोगों को जागरूक करना जरूरी है। इसके लिए डेंगू से बचाव एवं नियंत्रण के उपायों की जानकारी को जन-जन तक पहुँचाने के लिए यह जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। डेंगू की रोकथाम के लिए सरकारी अमला काम कर रहा है, आमजन को भी इसके लिए आगे आना होगा तभी अभियान को सफलता मिलेगी। डेंगू को रोकने के लिए घरों में कूलर, वाटर टेंक और आसपास गड्ढों में पानी एकत्रित नहीं होने दें। हम अगर पानी को एकत्रित नहीं होने देंगे, लार्वा नहीं बनने देंगे तो डेंगू को फैलने से रोका जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अपने घर में अगर कहीं सात दिन हो गए हों पानी भरे हुए, तो ऐसे जल का जमाव नहीं होने दें। ज्यादा दिन तक किसी भी पानी की टंकी में, बर्तन में, गड्ढे में और कूलर में, अगर कहीं भी पानी भरा है तो तत्काल उस पानी को खाली करवाएँ। आवश्यक हो तो अपने घर की सफाई कीजिए। भरे पानी को पलट दीजिए। उन्होंने लोगों से कहा है कि डेंगू लार्वा के पनपने से फैलता है। आवश्यक हो तो लार्वा समाप्त करने के लिए जमा पानी में दवाई भी डालें। इसके साथ ही अपने घर के आसपास भी पानी एकत्रित ना होने दें। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जगह-जगह एन्टी लार्वा तथा एन्टी मच्छर दवाईयों का छिड़काव कराया जा रहा है, फॉगिंग कराई जा रही है। इसके साथ ही स्वच्छता का कार्य भी कराया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आमजन फुल पेंट, फुल स्लीव शर्ट आदि ऐसे वस्त्र पहने, जिससे मच्छर ना काटे। साथ ही बुखार आने पर तत्काल डॉक्टर से सम्पर्क करें। डेंगू के उपचार के लिए जिला अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड बनाए जा रहे हैं। आयुष्मान योजना में भी डेंगू और चिकनगुनिया रोग के निःशुल्क उपचार का प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने रामलीला मैदान में लोगों को डेंगू के लक्षण, रोकथाम एवं बचाव संबंधी पेम्पलेट बांटे। उन्होंने दुकानदारों को भी पेम्पलेट बांटते हुए साफ-सफाई रखने और इस जनजागरूकता अभियान में सहभागी बनने की अपील की। कार्यक्रम में सॉची जनपद अध्यक्ष श्री एस मुनियन, कलेक्टर श्री अरविन्द कुमार दुबे, एसडीएम श्री एलके खरे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं उपस्थित रहे।

संविदा वर्ग-3 में बताए गए पदों की संख्या पर भर्ती की मांग

वर्ग-3 में पास हुए अभ्यार्थियों ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

विदिशा। सोमवार को विदिशा शहर और जिले के विभिन्न क्षेत्रों से संविदा शिक्षक भर्ती वर्ग-3 के उत्तीर्ण हुए अभ्यार्थियों ने कलेक्टोरेट पहुंचकर डिप्टी कलेक्टर हर्षित चौधरी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर वर्ग-3 में पूरे प्रदेश से 51 हजार शिक्षकों की भर्ती की मांग की है। पूरे प्रदेश से एक लाख 80 हजार अभ्यार्थी पास हुए हैं तो वहीं पूरे प्रदेश में सवा लाख पद वर्ग-3 के खाली पड़े हैं। अभ्यार्थियों ने रैली की शक्ल में कलेक्टोरेट पहुंचकर सीएम के नाम ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि अपुष्ट सूत्रों से वर्ग-3 में 7 हजार नियुक्ति करने की बात कही गई है। जबकि 2018 में निकाली गई भर्ती जिसकी परीक्षा 2022 में हुई थी। उसमें इससे कई गुना पद पर भर्ती की बात कही गई थी। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि जब पूरे प्रदेश से एक लाख 80 हजार अभ्यार्थी पास हुए हैं तो सवा लाख खाली पदों को एक साथ न भर दिया जाए।

जिले में आज 7.4 मिमी. औसत वर्षा दर्ज

शहडोल। अधीक्षक भू-अभिलेख जिला शहडोल ने जानकारी दी है कि जिले में 12 सितंबर 2022 को 7.4 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जारी आंकडों के अनुसार आज वर्षा मापी केंद्र सोहागपुर में 25.0, बुढार में 19.0, गोहपारू में 0.0 जैतपुर में 1.0 चन्नौडी में 5.0 ब्यौहारी में 0.0, जयसिंहनगर में 2.0 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

17 सितंबर से होगा वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन

शहडोल। रक्तदान करना बहुत ही पुण्य का कार्य है, रक्तदान महादान होता है। हमको यह भावना जन-जन तक पहुंचानी चाहिए कि रक्तदान महादान है। इससे लाखों लोगो की जिंदगी बच सकती है। अगर आपकी वजह से किसी की ज़िन्दगी बचती हैं तो आपको जो संतुष्टि का एहसास होगा उसे शब्दों में बयाँ करना मुमकिन नही हैं। 17 सितंबर से 1 अक्टूबर तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा रक्तदान कैंप चलाया जा रहा है, जिसमें सभी विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी तथा आमजन नागरिक बढ़-चढ़कर हिस्सा ले तथा रक्तदान शिविर को सफल बनाएं। उक्त बात मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हिमांशु चंद्र ने 17 सितंबर से 1 अक्टूबर तक चलाए जा रहे रक्तदान शिविर कैंप के पूर्व तैयारियों की समीक्षा करते कहीं।

विभिन्न मांगों को लेकर वनकर्मियों ने सौंपा ज्ञापन

विदिशा। सोमवार को वन विभाग के स्थायी दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम प्रेषित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपते हुए अपनी पांच प्रमुख मांगों को पूरा करने की मांग की है। मप्र स्थायी कल्याण संघ के जिलाध्यक्ष अमानसिंह मालवीय और उनके साथियों ने ज्ञापन के जरिए बताया कि पिछले दो दशकों से वे निरंतर दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के रूप में काम कर रहे हैं। लेकिन उन्हें शासकीय कर्मचारी का दर्जा नहीं मिला है। उन्होंने ज्ञापन के जरिए कई वर्षों से स्थायी कर्मचारी दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी, अंशकालीन और सुरक्षा श्रमिकों को नियमित करने की मांग की है। सातवों वेतनमान, अनुकंपा नियुक्ति, बीमा, चिकित्सा सुविधा आदि भी देने की मांग की गई। वन विभाग में वन एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा में वन समितियों के माध्यम से सुरक्षा श्रमिकों को निर्धारित श्रम कानूनों के अंतर्गत न्यूनतम वेतन देने की मांग की गई।

ट्रक एवं ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन सदस्यों ने एसपी को सौंपा लिखित ज्ञापन

विदिशा। सोमवार को ट्रक एवं ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने एसपी कार्यालय पहुंचकर एसपी मोनिका शुक्ला को एक लिखित ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने बताया कि पिछले कुछ समय से लगातार ट्रकों के सामान चोरी हो रहे हैं। कुछ ट्रक भी चोरी जा चुके हैं। रविवार की रात मिर्जापुर कृषि उपज मंडी में ट्रक में से बैटरी निकालते समय तीन चोरों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया था, लेकिन सोमवार को सभी चोरों को पुलिस ने छोड़ दिया, इसकी शिकायत लेकर एसपी से लिखित शिकायत की गई है।

हम्मालों ने मंडी सचिव और व्यापारियों के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

विदिशा। कृषि उपज मंडी विदिशा में मजदूरों द्वारा अनाज को भरने को लेकर उसकी तय मात्रा का विवाद अब तक शांत नहीं हुआ है। एक बार फिर हम्मालों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर के नाम लिखित ज्ञापन दिया। जिसमें उन्होंने अनाज तिलहन संघ अध्यक्ष राधेश्याम माहेश्वरी और मंडी सचिव कमल बगबैया की मिलीभगत से हम्मालों को परेशान करने का आरोप लगाया। बताया कि या तो 50 से 60 किलो की भरती की जाए या फिर सीधे एक क्विंटल की हो।

पात्र हितग्राही शासकीय योजनाओं से न रहे वंचित- सीईओ

शहडोल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हिमांशु चंद्र के उपस्थिति में आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभागार में समय सीमा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के सभी पात्र हितग्राहियों को शासन की सभी जनहितकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को दिलवाना सुनिश्चित करें तथा शासकीय योजनाओं के लाभ से कोई भी पात्र हितग्राही वंचित न रहे। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने नगर पालिका अधिकारी बकहो ऑनलाइन टीएल बैठक में जुड़कर उपस्थित नहीं होने के कारण नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर कार्यवाही सुनिश्चित करें।

महिला बाल विकास विभाग मे नौकरी का झांसा देकर दर्जनो को ठगा

विदिशा। सोमवार को कोतवाली थाना में एक दर्जन से ज्यादा लोगों ने पहुंचकर नटेरन तहसील के पीतांबरा मुड़रा में रहने वाले एक शख्स के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत करते हुए आरोपी को ढूंढने और उस पर कार्यवाही करने की मांग की है। लोगों ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लोगों से 50-50 हजार रूपए लिए गए थे। पीतांबरा मुड़रा में रहने वाले चेतन दुबे उर्फ चंद्रप्रकाश शर्मा द्वारा यह राशि ली गई थी, लेकिन अब तक कोई नौकरी नहीं लगी, अब उनका मोबाइल भी बंद आ रहा है। खोजबीन के बाद भी जब आरोपी नहीं मिला तब कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराने के लिए लिखित आवेदन देते हुए चार सौ बीसी की कार्रवाई करने की मांग की गई है।

मां और सास मिलकर कर रहीं आलिया भट्ट की गोद भराई की तैयारी

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर इन दिनों अपनी फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट वन शिवा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। पहली बार स्क्रीन पर साथ नजर आए रणबीर और आलिया की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है और यह पांच दिन में 150 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। वहीं, रणबीर और आलिया जल्द अपने पहले बच्चे का स्वागत भी करने जा रहे हैं, जिसको लेकर वह काफी एक्साइटेड हैं। इस सबके बीच आलिया की गोद भराई को लेकर नीतू कपूर और सोनी राजदान ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान और सास नीतू कपूर होने वाली मां के लिए कुछ स्पेशल प्लानिंग कर रही हैं। दोनों ने आलिया की गोद भराई की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं, जिसमें सिर्फ लड़कियां ही होंगी। गोद भराई मुंबई में ही होगी। हालांकि ये कंफर्म नहीं है कि गोद भराई की रस्म शादी की तरह घर में आयोजित होगी या फिर किसी और जगह पर। रिपोर्ट्स के अनुसार आलिया भट्ट की गोद भराई में भी कम ही लोग हिस्सा लेंगे। इसमें आलिया के बचपन की दोस्त और परिवार वालों को ही शामिल किया जाएगा। गेस्ट लिस्ट में आकांक्षा रंजन सिंह, शाहीन भट्ट, करीना कपूर, नव्या नंदा, श्वेता बच्चन, आरती शेट्टी और करीबी दोस्त शामिल हैं। आलिया भट्ट के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह रणवीर सिंह के साथ रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आएंगी। वहीं, वह हार्ट ऑफ स्टोन से हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। रणबीर कपूर श्रद्धा कपूर के साथ लव रंजन की फिल्म और एनिमल में रश्मिका मंदाना के साथ दिखाई देंगे। इसके अलावा दोनों की फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट वन शिवा सिनेमाघरों में बढ़िया कमाई कर रही हैं।

शूटिंग के दौरान अर्जुन कपूर को आई मलाइका अरोड़ा की याद

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा बॉलीवुड के पॉपुलर कपल्स में से एक हैं। दोनों को अक्सर ही साथ में स्पॉट किया जाता है और वो सोशल मीडिया पर भी एक-दूसरे पर प्यार लुटाते नजर आते हैं। वहीं, इन दिनों अभिनेता यूके में अपनी फिल्म की शूटिंग के लिए गए हुए हैं और ऐसे में उन्हें अपनी लेडी लव की याद आ रही है। यूके से अभिनेता ने अपनी और मलाइका अरोड़ा की थ्रोबैक तस्वीर शेयर की है और साथ ही मजेदार सवाल भी किया है। दरअसल, अर्जुन कपूर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से मलाइका अरोड़ा और अपनी एक-एक तस्वीर शेयर की है। दोनों की यह तस्वीर अर्जुन के जन्मदिन के दौरान पेरिस वेकेशन की है। इस थ्रोबैक तस्वीर में खास बात ये है कि मलाइका और अर्जुन ने ब्लू कलर का एक ही चश्मा पहना हुआ है। दोनों किसी रेस्टोरेंट में लंच करते नजर आ रहे हैं। अर्जुन कपूर ने तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, इसे किसने बेहतर पहना है? मेरा जवाब जानने के लिए राइट स्वाइप करें। राइट स्वाइप करते ही मलाइका की तस्वीर दिखाई देती है, जिसमें वह चश्मा लगाए नजर आ रही हैं। अब अर्जुन के इस पोस्ट पर मलाइका ने भी कमेंट कर अपना जवाब दिया है। मलाइका ने लिखा, हां मैंने। इसके अलावा फैंस भी दोनों के कूल अंदाज की काफी तारीफ कर रहे हैं।

धीरज धूपर ने एक महीना पूरा होने पर दिखाई बेटे की झलक

टेलीविजन के मशहूर शो कुंडली भाग्य में करण लूथरा के किरदार से घर-घर मशहूर अभिनेता धीरज धूपर बीते महीने ही अपने पहले बच्चे के पिता बने हैं। अभिनेता की पत्नी विन्नी अरोड़ा ने पिछले महीने एक बेटे को जन्म दिया था। अभिनेता ने अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया पर इस खुशखबरी को साझा किया था। इसी क्रम में अब एक्टर ने अपने बच्चे को जन्म को एक महीने पूरे होने के मौके पर बेटे के नाम का खुलासा कर दिया है। उन्होंने फैंस के साथ अपने बेटे के नाम का एलान करने के लिए फिर सोशल मीडिया का सहारा लिया। अभिनेता ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने बेटे के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए नाम का खुलासा किया है। साझा की गई इस तस्वीर में धीरज बेटे को गोद में लिए प्यार से दुलारते नजर आ रहे हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए अभिनेता ने बताया कि उन्होंने अपने बेटे का नाम जायन रखा है। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा,उसके डिंपल्स और वह मेरी जान है। कभी भी ऐसी खूबसूरत मुलाकात नहीं हुई थी तो हमने इसका नाम जायन (ड्डु4ठ्ठ) रखा है। साझा की गई इस तस्वीर में धीरज धूपर अपने बेटे के साथ ट्यूनिंग करते नजर आ रहे हैं। दोनों ने इस फोटो में ब्लैक कलर की मैचिंग टीशर्ट पहनी हुई है। वहीं, सोशल मीडिया पर बेटे के नाम के खुलासे के बाद से ही लोग इस नाम को काफी पसंद कर रहे हैं और लगातार कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वहीं, टीवी के कई सितारे भी लगातार एक्टर के इस पोस्ट पर प्यार लुटाते दिख रहे हैं। साथ ही कमेंट पर अभिनेता के बेटे के लिए दुआएं करते भी दिख रहे हैं। गौरतलब है कि धीरज और विन्नी के घर 10 अगस्त को किलकारी गूंजी थी। दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर फैंस के साथ यह खुशखबर साझा की थी। यह कपल शादी के छह साल बाद पेरेंट्स बना है। वहीं वर्कफ्रंट की बात करें तो धीरज धूपर पॉपुलर टीवी शो कुंडली भाग्य में करण लूथरा का रोल निभा रहे थे। उनके इस किरदार को काफी पसंद किया गया थी। वहीं, एक्टर हाल ही में डांसिग रियलिटी शो झलक दिखला जा 10 में नजर आ रहे हैं।

EOW के दफ्तर पहुंचीं जैकलीन फर्नांडीज, दिल्ली पुलिस मांगेगी इन सवालों के जवाब

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज दिल्ली पुलिस के दफ्तर पहुंच गई हैं। अभिनेत्री के साथ-साथ पिंकी ईरानी, जिन्होंने जैकलीन और सुकेश की मुलाकात करवाई थी, भी ईओडब्ल्यू के ऑफिस पहुंच गई हैं। आज यानी बुधवार को सुकेश चंद्रशेखर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दोनों से पूछताछ की जाएगी। पुलिस ने सुकेश चंद्रशेखर मामले में दोनों को घेरने के लिए सवालों की लंबी लिस्ट तैयार की है।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान बताया कि जैकलीन से पूछे जाने वाले सवालों की एक सूची तैयार की गई है। यह सभी सवाल सुकेश के साथ उनके संबंधों और उनसे मिले उपहारों पर आधारित हैं। इतना ही नहीं, सवाल-जवाब के दौरान यह भी पूछा जाएगा कि उन्होंने कितनी बार कॉनमैन सुकेश से मुलाकात की है या फोन पर संपर्क किया है। सुकेश और जैकलीन के बीच की कड़ी हैं पिंकी ईरानी, उन्होंने ने जैकलीन फर्नांडीज से संपर्क करने में सुकेश की मदद की थी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक आर्थिक अपराध शाखा, मामले में और स्पष्टता लाने के लिए पिंकी और जैकलीन को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ कर सकती है। अधिकारी आज पूछताछ में यह भी पता लगाने को कोशिश करेंगी कि क्या

मामले में शामिल दोनों अभिनेत्रियां - नोरा और जैकलीन, एक दूसरे को मिले उपहारों के बारे में जानती थीं? बता दें कि सितंबर-अक्टूबर 2021 में, प्रवर्तन एजेंसी के सामने नोरा फतेही ने अपने बयान दर्ज कराए थे, जहां अभिनेत्री ने कथित ठग सुकेश और उसकी पत्नी लीना से उपहार लेने की बात स्वीकार की थी। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जैकलीन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अपनी चार्जशीट में आरोपी नामित किया है। एजेंसी ने अपनी चार्जशीट में कहा है कि अभिनेत्री जैकलीन को सुकेश के आपराधिक मामलों में शामिल होने के बारे में पता था, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने सुकेश के आपराधिक रिकॉर्ड को नजरअंदाज करते हुए उसके साथ वित्तीय लेनदेन किया। बता दें कि इससे पहले जैकलीन ने 30 अगस्त और 20 अक्टूबर, 2021 को अपने बयान दर्ज कराते हुए यह बात स्वीकार की थी कि उन्होंने सुकेश से कई महंगे उपहार लिए हैं।

'द व्हाइट लोटस' ने जीता बेस्ट सीरीज का अवॉर्ड

टेलीविजन के प्रतिष्ठित एमी पुरस्कारों के 74वें संस्करण के विजेताओं की घोषणा कर दी गई है। इस साल एमी अवॉर्ड्स का आयोजन मंगलवार यानी 13 सितंबर को अमेरिका के लॉस एंजेलिस के कैलिफोर्निया स्थित माइक्रोसॉफ्ट थिएटर में किया जा रहा है। दुनियाभर के टेलीविजन प्रेमी इस अवॉर्ड समारोह का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ऐसे में अब आज उनका यह इंतजार खत्म होने वाला है। अवॉर्ड सेरेमनी को लाइव अमेरिका के एनबीसी और पीकॉक टीवी पर प्रसारित किया गया। वहीं, भारतत में इसे लायंसगेट प्ले पर लाइव स्ट्रीम किया गया था। एमी अवॉर्ड का आयोजन टीवी शोज, आर्टिस्ट और टेक्नीशियंस को सम्मानित करने के लिए किया जाता है। इस साल अवॉर्ड में स्विड गेम, स्ट्रेंजर थिंग्स और ओजार्क को 14 नोमिनेशंस ने हासिल किए हैं। वहीं, सक्सेशन को एक साथ 25 नॉमिनेशंस मिले। पुरस्कार के लिए सभी नॉमिनेशंस 1 जून 2021 से

लेकर 31 मई 2022 तक प्रसारित होने वाले शोज और सीरीज के आधार पर चुने गए हैं। आइए जानते हैं इस साल एमी अवॉर्ड्स में किस शो-सीरीज ने बाजी मारी है।

सेबी की हर पॉलिसी आंकड़ों पर आधारित, अध्यक्ष ने FICCI के कार्यक्रम में किया ये बड़ा एलान

नई दिल्ली। शेयर बाजार की नियामक संस्था सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने हा है कि उनकी हर सिंगल पॉलिसी सही-सही आंकड़ों पर आधारित होती है। उन्होंने कहा है कि हम आंकड़ों पर भरोसा करते हैं और वहीं हमें रास्ता दिखाता है। आज के समय में सेबी की ओर से लायी गई हर पॉलिसी आंकड़ों पर आधारित होती है। बुच ने मंगलवार को उद्योग जगत की इकाई FICCI की ओर से आयोजित 19वें कैपिटल मार्केट कॉन्फ्रेंस CAPAM 2022 के दौरान ये बातें कही है।

अपने संबोधन में सेबी प्रमुख ने पूंजी निर्माण की सुविधा के लिए अपनी भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि राष्ट्र निर्माण कॉर्पोरेट्स और व्यवसाय मिलकर करते हैं। बुच ने यह भी कहा कि नियामक संस्था भारत में उपलब्ध अवसरों की पूरी तरह से सराहना करती रही है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के माध्यम से है कि देश अपने लक्ष्य को हासिल कर सकता है। अधिक पारदर्शिता की आवश्यकता के विषय में बोलते हुए बुच ने कहा कि सेबी में हम एक डिसक्लोजर आधारित व्यवस्था का पालन करते हैं। यह हमारा मौलिक नियामक दृष्टिकोण है। हमारा मानना है कि हम अर्थव्यवस्था में पूंजी निर्माण के लिए मौजूद हैं। जब तक सिस्टम में विश्वास को संरक्षित नहीं करेंगे तब तक हम अपने मूल उद्देश्य में सफल नहीं होंगे। विश्वास निर्माण के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक पारदर्शिता है। यह सेबी के लिए सबसे महत्वपूर्ण मंत्र है। कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए उन्होंने सेबी के नियमों की गति को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उद्योग जगत के साथ परामर्श की प्रक्रिया के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। कार्यक्रम के दौरान सेबी के अध्यक्ष ने सेबी के सभी अनुपालनों के एंड-टू-एंड ऑटोमेशन की सुविधा के लिए टीमलीज रेगटेक के साथ साझेदारी में फिक्की की रेगटेक पहल की शुरुआत की। यह कंपनियों के लिए कानून के अनुपालन को डिजिटाइज कर उन्हें आसान बनाएगा। यह पहल एक अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी समाधान है जिसे सभी संगठनों में अनुपालन को बदलने के लिए बनाया गया है। यह दो हजार से अधिक सेबी अनुपालनों पर नज़र रखने के साथ-साथ सेबी के चुनिंदा डिसक्लोजर्स के ऑटो-जेनरेशन की सुविधा प्रदान करेगा।

ग्लोबल बाजार में कमजोरी के बाद सेंसेक्स 950 अंक लुढ़का निफ्टी 17900 के नीचे

नई दिल्ली। भारतीय बाजार के टूटने से निवेशकों के तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के डूबने का अनुमान है। अमेरिका में अगस्त महीने में महंगाई दर अनुमान से अधिक रहने पर अमेरिकी बाजारों में बड़ी गिरावट आई। मंगलवार को डाओ जोंस 1276 अंक गिरकर 31,105 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नैस्डेक 633 अंक लुढ़ककर 11,634 के लेवल पर बंद हुआ। ग्लोबल बाजार में कमजोरी के बाद सेंसेक्स 950 अंक लुढ़क गया है, वहीं निफ्टी भी कमजोर होकर 17900 के नीचे आ गया है। सेंसेक्स फिलहाल 720 अंक टूटकर 59,850 अंकों पर तो निफ्टी 206 अंक टूटकर 17866 अंकों पर कारोबार कर रहा है। आईटी सेक्टर के शेयरों में लगभग तीन प्रतिशत की गिरावट दिख रही है। अमेरिका में अगस्त महीने में महंगाई दर अनुमान से अधिक रहने पर अमेरिकी बाजारों में बड़ी गिरावट आई। मंगलवार को डाओ जोंस 1276 अंक गिरकर 31,105 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नैस्डेक 633 अंक लुढ़ककर 11,634 के लेवल पर बंद हुआ। एसएंडपी में 4.32 फीसदी की गिरावट दिखी। एशियाई बाजारों में भी 2.5त्न की गिरावट आई। एसजीएक्स निफ्टी 300 अंक गिरा। अमेरिका में महंगाई दर अगस्त महीने में 8.3त्न पर पहुंच गई। महंगाई में अपेक्षा से अधिक वृद्धि कारण फेडरल रिजर्व पहले से अधिक ज्यादा आक्रामक बढ़ोतरी कर सकता है। फेडरल रिजर्व 20-21 सितंबर की बैठक में अपना फैसला सुनाएगा।

निर्मला सीतारमण बोलीं- भारतीय कंपनियां हनुमान की तरह, उन्हें अपनी ताकत का अंदाजा नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उद्योग जगत की तुलना हनुमान से करने के साथ उन पर निशाना भी साधा। उन्होंने घरेलू कंपनियों से पूछा कि जब विदेशी निवेशकों का भारत पर भरोसा है तो ऐसे में कॉरपोरेट जगत विनिर्माण में निवेश से पीछे क्यों हट रहा है। आखिर ऐसा क्या कारण है जो उन्हें निवेश से रोक रहा है। उन्होंने घरेलू कंपनियों से कहा कि आप अपनी क्षमता पर भरोसा कीजिए। आप हनुमान हैं, यह कौन बताएगा? यह सरकार का काम नहीं है। आप अपनी ताकत में भरोसा नहीं करते हैं। वित्त मंत्री ने मंगलवार को एक कार्यक्रम कहा कि सरकार उद्योग जगत के साथ मिलकर काम करने को इच्छुक है और सभी तरह की समस्याओं को भी दूर करेगी। इस तर्ज पर सरकार ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को भी शुरू किया है। इसके साथ कर की दरों में कटौती कर घरेलू उद्योगों को विनिर्माण क्षेत्र में निवेश के लिए भी प्रोत्साहित किया है।

सब कुछ करेंगे, पर घरेलू कंपनियां जवाब दें

वित्त मंत्री ने कहा कि किसी भी नीति का अपने आप में अंत नहीं हो सकता है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं यह विकसित होती रहती है। मैं भारतीय उद्योग जगत से यह जरूर जानना चाहूंगी कि आखिर वे क्यों निवेश से झिझक रहे हैं। हम उद्योगों को यहां लाने और निवेश करने के लिए सब कुछ करेंगे। पर यह बताना होगा कि आपको कौन सी चीज रोक रही है।

विदेशी निवेशक लगातार निवेश कर रहे

निर्मला सीतारमण ने कहा कि विदेशी कंपनियां और देशों को लगता है कि भारत अब बेहतर स्थान है और यह एफडीआई और एफपीआई के निवेश में भी दिख रहा है। साथ ही शेयर बाजार के निवेशकों में भी विश्वास दिख रहा है। उन्होंने हनुमान की संज्ञा देते हुए कहा कि आप अपनी क्षमता पर विश्वास कीजिए। हालांकि, आप हनुमान हैं यह कौन बताएगा? यह सरकार का काम नहीं है। आप अपनी ताकत में विश्वास नहीं करते हैं।

कई देश रुपये में द्विपक्षीय कारोबार करने को इच्छुक

सीतारमण ने कहा कि हाल में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रुपये में कारोबार के तरीके को घोषित करने के बाद कई देश भारत के साथ रुपये में द्विपक्षीय कारोबार करने को इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि यह रूबल और रुपया नहीं है जो पुराने प्रारूप में था। आरबीआई ने ऐसे समय में यह तरीके लाया है, जो काफी महत्वपूर्ण है।

भारत रुपये का बचाव नहीं कर रहा -सीईए

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि भारत रुपये की गिरावट को बचाने के लिए कोई कोशिश नहीं कर रहा है। मुझे नहीं लगता है कि भारतीय बुनियादी चीजें ऐसी हैं कि हमें रुपये की रक्षा करने की जरूरत है। रुपया खुद देखभाल कर सकता है। आरबीआई इसके लिए जरूरी कदम उठा रहा है कि रुपया का प्रबंधन अर्थव्यवस्था के मूल सिद्धांतों के अनुरूप है। नागेश्वरन ने कहा कि आरबीआई यह सुनिश्चित कर रहा है कि बाजार के रुझान के अनुरूप रुपया जिस भी दिशा में आगे बढ़ रहा है वह धीरे-धीरे हो और आयातकों या निर्यातकों पर बोझ न पड़े। अगस्त में डॉलर के मुकाबले रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर 80.15 पर पहुंच गया था जो अभी 79.25 पर है। विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट पर उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर जोखिम से बचाव का रूख पूंजी को यहां आने से रोक रहा है। निश्चित रूप से इससे विदेशी मुद्रा भंडार पर असर पड़ रहा है। 2 सितंबर को विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 554 अरब डॉलर हो गया था जो 2020 के बाद सबसे कम है।

इस दशक में 7 फीसदी की दर से बढ़ सकती है अर्थव्यवस्था

नागेश्वरन ने कहा कि इस दशक में भारत की अर्थव्यवस्था सालाना 7 फीसदी की दर से बढ़ने में सक्षम हो सकती है। निवेश पर खर्च बढ़ रहा है और डिजिटल अर्थव्यवस्था में भी रफ्तार है। अप्रैल-जून में इसमें13.5 फीसदी की बढ़त दिखी थी। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का रुझान भले ही 6 फीसदी की वृद्धि दिखा रहा हो, पर हमारा मानना है कि यह सात फीसदी की दर से होगी।

एशियाई देशों के लिए महंगाई और आपूर्ति सबसे बड़ा जोखिम

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने मंगलवार को कहा कि उभरते हुए एशियाई देशों के लिए अगले 12-18 महीने में महंगाई और आपूर्ति में बाधा सबसे बड़ा जोखिम है। इन देशों में भारत, इंडोनेशिया, मलयेशिया, फिलीपींस, चीन, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। एक सर्वे में इसने कहा कि इन दोनों जोखिम के अलावा बढ़ती ब्याज दरें और अर्थव्यवस्था में धीमी वृद्धि दर भी जोखिम ही है।

सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले का हब बनेगा गुजरात, सरकार और वेदांत-फॉक्सकॉन ग्रुप के बीच हुआ एमओयू

अहमदाबाद। गुजरात के गांधीनगर में सरकार और भारतीय कंपनी वेदांता और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र की दिग्गज फॉक्सकॉन ग्रुप के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव व गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल मौजूद रहे। कार्यक्रम में वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा, यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि वेदांता और फॉक्सकॉन ग्रुप की साझा सेमीकंडक्टर इकाई गुजरात में लगने जा रही है। उन्होंने कहा, यह कदम भारत को आत्मनिर्भर सिलिकॉन वैली की तरफ बढ़ने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, राज्य में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण इकाई से यह क्षेत्र इसका हब बनेगा। उन्होंने कहा, अभी तक सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले को छोड़कर बाकी का निर्माण हमारी फैक्ट्रियों में किया जा सकता था।वहीं इस मौके पर भूपेंद्र पटेल ने कहा, दोनों कंपनियां गुजरात में यूनिट लगाने के लिए 1,54,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। इससे राज्य में एक लाख रोजगार का सृजन होगा।

एसआईपी:अगस्त में रिकॉर्ड 12693 करोड़ का निवेश, म्यूचुअल फंड में 10 माह की बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में इस साल अगस्त में निवेश बढ़कर 12,693.45 करोड़ रुपये के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इस साल यह लगातार चौथा महीना है, जब एसआईपी में निवेश 12,000 करोड़ रुपये से ज्यादा रहा। वहीं, घरेलू शेयर बाजार में अस्थिर माहौल के बीच इस दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में 6,120 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो अक्तूबर, 2021 के बाद पिछले 10 महीने में सबसे कम है। उस दौरान 5,215 करोड़ का निवेश हुआ था। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में एसआईपी निवेश में सालाना आधार पर 28 फीसदी और मासिक आधार पर 4.56 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली। इस दौरान म्यूचुअल फंड एसआईपी की प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) बढ़कर 6.39 लाख करोड़ रुपये के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। एसआईपी खातों की संख्या भी रिकॉर्ड 5.71 करोड़ से अधिक के स्तर पर पहुंच गई, जबकि जुलाई में यह आंकड़ा 5.61 करोड़ से अधिक था। इस दौरान 21.13 लाख नए एसआईपी खाते पंजीकृत हुए।

म्यूचुअल फंड: लगातार 18वें माह शुद्ध निवेश घटा

इक्विटी म्यूचुअल फंड अब निवेशकों के लिए पहली पसंद नहीं रहा। अगस्त में म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश लगातार 18वें महीने घटा है। इस दौरान शुद्ध निवेश जुलाई के 8,898 करोड़ से कम रहा। यह आंकड़ा जून में 18,529 करोड़ रुपये और मई में 15,890 करोड़ रुपये था। मार्च, 2021 से इक्विटी योजनाओं में शुद्ध निवेश का प्रवाह देखा जा रहा है। जुलाई, 2020 से फरवरी, 2021 तक योजनाओं में लगातार आठ महीने निकासी हुई थी। इस दौरान इन योजनाओं से कुल 46,791 करोड़ निकाले गए थे।

अन्य फंडों में शुद्ध निवेश

डेट म्यूचुअल फंड में पिछले महीने 49,164 करोड़ का शुद्ध निवेश आया। जुलाई में यह आंकड़ा 4,930 करोड़ था। हालांकि, हाइब्रिड म्यूचुअल फंड में 6,601 करोड़ और गोल्ड ईटीएफ में 38 करोड़ की शुद्ध निकासी हुई। कुल मिलाकर म्यूचुअल फंड उद्योग में जुलाई में 23,605 करोड़ रुपये की तुलना में अगस्त में 65,077 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया है।

एयूएम सार्वकालिक उच्च स्तर पर

म्यूचुअल फंड की उद्योग की शुद्ध एयूएम बढ़कर 39.33 लाख करोड़ रुपये के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। जुलाई में यह आंकड़ा 37.75 लाख करोड़ रहा था।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)